

2024 के भीषण हादसे: भूस्खलन, भगदड़, कंचनजंगा रेल हादसे और जयपुर अग्निकांड

नई दिल्ली/ए। 2024 सिर्फ अन्य देशों के लिए ही नहीं, बल्कि, देश के लिए भी हादसों और दुर्घटनाओं की डरावनी यादों से भरा रहा। इस साल की शुरुआत टोक्यो में 7.8 तीव्रता की भूकंप के साथ हुई, जिसमें सैकड़ों लोगों की जान चली गई। भारत में भी कुछ ऐसी घटनाएं घटीं, जिन्होंने दिल दहला दिया। जहां केरल के वायनाड में भूस्खलन से जानमाल का भारी नुकसान हुआ तो वहीं कंचनजंगा रेल हादसे ने एक बार फिर भारतीय रेलवे की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए। जाते-जाते साल के अंत में मुंबई के पास नौसेना के पोत ने एक पर्यटक नाव को टक्कर मार दी, जिससे वजह डूब गई। इसके बाद जयपुर में गैस भरे ट्रक ने कई वाहनों को टक्कर मार दी, जिससे धमाका हुआ और देखते ही देखते आसपास का इलाका आग के गोले में तब्दील हो गया। आइए इस साल की इन दुर्घटनाओं के बारे में यहां विस्तार से जानेंगे।

कंचनजंगा रेल हादसा: हादसे में घायलों को अस्पताल ले जाया गया था। पहली वजह तो यह रही कि सिग्नल खराब होने के बाद भी सेक्शन में मालगाड़ी और कंचनजंगा एक्सप्रेस के



वायनाड भूस्खलन

केरल के वायनाड में 30 जुलाई को मेप्पाडी के पास विभिन्न पहाड़ी इलाकों में आए भूस्खलन ने भारी तबाही मचा दी थी। इस प्राकृतिक आपदा के कारण 300 से अधिक लोगों की मौत हो गई। राज्य के तीन जिलों के लोगों के लिए जीवन रेखा रही चिलियार नदी भूस्खलन के बाद से विनाश का प्रतीक बन गई है। सीएम विजयन ने इसे अकल्पनीय और दर्दनाक आपदा करार दिया।



कंचनजंगा रेल हादसा

पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग के जलपाईगुड़ी के पास भयानक रेल हादसा हुआ, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में यात्री ट्रेन का गाड़ी और मालगाड़ी का चालक भी शामिल था। हादसे में कंचनजंगा एक्सप्रेस से एक मालगाड़ी भिड़ गई। यह टक्कर इतना भयानक था कि इंजन पर बोगियां चढ़ गईं। कई बोगियां पटरी से भी उतर गई थीं। घटना की जानकारी पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची।

मुंबई तट के समीप डूबी नौका



महाराष्ट्र में मुंबई तट के समीप 18 दिसंबर को नौसेना के एक पोत के एक नौका से टकराने के कारण 13 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। इस दौरान 101 अन्य लोगों को बचा भी लिया गया। हादसे में जीवित बचे लोगों ने बताया कि उनके पास लाइफ जैकेट नहीं थी। मामले में नौसेना के नाव चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि बुधवार को मुंबई तट पर नौसेना की नाव से टकराने वाली निजी नौका पर सवार यात्रियों को लाइफ जैकेट नहीं दी गई थी। पुलिस ने मुंबई के साकीनाका निवासी नाथाराम चौधरी की शिकायत पर नौसेना की स्पीडबोट के चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

राजस्थान में भीषण अग्निकांड



इस बीच 20 दिसंबर को जयपुर के पास एलपीजी टैंकर को एक ट्रक ने टक्कर मार दी। इस वजह से लगी आग ने 30 से अधिक वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया और इस दुर्घटना में 14 लोग जिंदा जल गए। आग ने 30 अन्य लोगों को भी अपनी चपेट में ले लिया। सर्वाई मानसिंह अस्पताल प्रशासन से मिली जानकारी के मुताबिक, 14 लोगों की मौत हो चुकी है और आग में झुलसे लगभग 30 लोग अस्पताल में भर्ती हैं, जिनमें से कुछ वेंटिलेटर पर हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हादसे के बारे में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से बात कर जानकारी ली। मुख्यमंत्री शर्मा, उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा व गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेदम घटनास्थल पहुंचे।

■ न्यूज गैलरी जयपुर गैस टैंकर हादसे में मृतकों की संख्या 14 हुई

जयपुर(वार्ता)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में अजमेर-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक गैस टैंकर में आग लगने के बाद हुए हादसे में गंभीर रूप से घायल दो और लोगों की मृत्यु हो जाने से इसमें मृतकों की संख्या बढ़कर 14 हो गई जबकि करीब 35 लोग घायल हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार गंभीर रूप से घायल राजकुमार और गोविंद ने शुक्रवार रात दम तोड़ दिया जिससे इसमें मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 पहुंच गई। हादसे में पांच लोगों की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई थी जबकि गंभीर रूप से घायलों में नौ लोगों ने अस्पताल में दम तोड़ा। घायलों का सर्वाई मानसिंह अस्पताल में इलाज चल रहा जहां कुछ लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार सुबह जयपुर-अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भांकोटा में एक पेट्रोल पंप के पास एक गैस टैंकर से अन्य वाहन के टकराने पर लगी आग से यह हादसा हुआ जिसमें आसपास के क्षेत्र एवं कई वाहनों में आग लग गई थी।

मुंबई नौका हादसा , मृतकों की संख्या बढ़कर 15 हुई

मुंबई(वार्ता)। गत 18 दिसंबर को मुंबई तट पर पर्यटक नौका-भारतीय नौसेना की नाव के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद लापता सात वर्षीय लड़के का शव शनिवार को मिला और मृतकों की संख्या 15 हो गयी। लड़के की पहचान गोवा निवासी जोहान पठन के रूप में हुई है, जिसकी मां की इस हादसे में मौत हो गयी थी।

मुश्किल में सांसद बर्क, बिन नक्शा पास निर्माण पर चला बुलडोजर

लखनऊ(ए.)। सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। उनके खिलाफ एक के बाद एक कार्रवाई हो रही है। बुधस्पतिवार को बिजली चोरी की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद उन पर 1.19 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया। इसके बाद शुक्रवार को उनके घर के बाहर प्रशासन का बुलडोजर चला। घर के बाहर नाली पर बनों सीढ़ियां और स्लैब तोड़ दिए गए। प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान सुरक्षा-व्यवस्था खड़ी रही। ड्रोन से निगरानी की गई। 24 नवंबर को जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हिंसा हुई थी। पुलिस की ओर से हिंसा करने के लिए सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क को आरोपी बनाया गया है। उनपर भड़काऊ भाषण देने का आरोप है। इसके बाद से सांसद जियाउर्रहमान बर्क की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं।



बने हुए घर को जेसीबी से किया ध्वस्त

पर बिजली उपकरणों की जांच की। बिजली एसई विजय कुमार गुप्ता ने दावा किया कि उनके घर पर दो-दो किलोवाट के दो मीटर लगे हैं। जबकि उनके घर में मौजूद बिजली उपकरणों की क्षमता 16 किलोवाट से अधिक है। इस मामले में बिजली विभाग की ओर से सांसद जियाउर्रहमान बर्क के खिलाफ बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज कराया गया। वहीं, उनके पिता ममलकूर्रहमान बर्क पर बिजली अधिकारी-कर्मचारियों को धमकाने, सरकारी काम में बाधा पहुंचाने और अभद्रता करने के आरोप में रिपोर्ट

दर्ज कराई गई है। लेकिन, शुक्रवार को फिर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। पुलिस फेस के साथ पहुंची प्रशासनिक टीम ने उनके घर के बाहर अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाया। इस दौरान नाली पर बनी सीढ़ियां और स्लैब को जेसीबी से ध्वस्त कर दिया गया। प्रशासन का दावा है कि सांसद जियाउर्रहमान बर्क के घर के बाहर बिना नक्शा पास कराए अवैध निर्माण किया गया है। लगातार हो रही कार्रवाई में से स्पष्ट है कि सांसद जियाउर्रहमान बर्क प्रशासन के निशाने पर है। उनकी मुश्किलें बढ़ रही हैं।

बीएमसी चुनाव

महाविकास अघाड़ी में आई दरार! संजय राउत का बड़ा संकेत- पार्टी अकेले लड़ सकती है बीएमसी

मुंबई। महाराष्ट्र में सियासी गलियारों में लगातार हलचल मची हुई है। इस बीच, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता संजय राउत ने संकेत दिया कि उनकी पार्टी मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव में अकेले उतर सकती है, हालांकि वे महा विकास अघाड़ी (एमवीए) का साथ नहीं छोड़ रहे हैं।

इस मुद्दे पर चल रही बातचीत

उन्होंने कहा कि पार्टी

कार्यकर्ता बीएमसी चुनाव में अकेले उतरने की मांग कर रहे हैं, क्योंकि इस चुनाव में उम्मीदवारों की संख्या लोकसभा और विधानसभा चुनावों से ज्यादा है। उन्होंने आगे कहा, 'उद्धव ठाकरे और अन्य पार्टी नेताओं के बीच इस बारे में बातचीत चल रही है। कार्यकर्ता चाहते हैं कि हम अकेले चुनाव लड़ें।'

2022 के बाद अब तक नहीं हुए चुनाव

शिवसेना ने 1997 से 2022 तक लगातार बीएमसी पर अपना नियंत्रण बनाए रखा था। पिछला



मुंबई नगर निगम चुनाव मार्च 2022 में समाप्त हुआ था और अब तक नए चुनाव नहीं हुए हैं।

पहले भी लड़ते थे अकेले और अब भी...
राउत ने कहा कि मुंबई में

शिवसेना की शक्ति अप्रतिबंधित है और अगर उन्हें विधानसभा चुनावों में अधिक सीटें मिलतीं तो वे जीत सकते थे। उन्होंने कहा कि जब अविभाजित शिवसेना भाजपा के साथ गठबंधन में थी, तब भी वे बीएमसी और अन्य स्थानीय चुनावों में अकेले चुनाव लड़ते थे और अब भी इसी तरह से चुनाव लड़ने की कोशिश की जा रही है। पिछले सप्ताह, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा था कि शिवसेना बीएमसी चुनाव महायुक्ति (गठबंधन) के तहत लड़ेगी, जिसमें भाजपा, शिवसेना और

राम मंदिर आंदोलन में उद्धव शिवसेना, कांग्रेस ने भी योगदान दिया : राउत

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने शनिवार को कहा कि राम मंदिर देश के इतिहास में एक आंदोलन था और न केवल भाजपा और पीएम मोदी ने इसमें योगदान दिया, बल्कि आरएसएस, भाजपा, शिवसेना, वीएचपी, बजरंग दल और कांग्रेस ने भी इस आंदोलन में योगदान दिया।

एनसीपी शामिल हैं। राउत ने भागवत पर निशाना साधा और कहा कि उन्होंने ही ऐसे लोगों को सता में लाया और अब

सभी ने उस आंदोलन में योगदान दिया। न केवल भाजपा और पीएम मोदी ने इसमें योगदान दिया, बल्कि आरएसएस, भाजपा, शिवसेना, वीएचपी, बजरंग दल और कांग्रेस ने भी इस आंदोलन में योगदान दिया।

यह सही है कि कोई भी व्यक्ति केवल मंदिर बनाकर नेता नहीं बन सकता। यह देश एक मंदिर है, आपको इसे बनाना चाहिए।मोहन भागवत, आप ही ऐसे लोगों को सता में लाए। इसलिए अब आप जिम्मेदारी लें।'

जयपुर में यूथ कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

पुलिस-कार्यकर्ताओं में झड़प लाठीचार्ज और गिरफ्तारी

जयपुर(ए.)। राजस्थान यूथ कांग्रेस ने आज डॉ. भीमराव अंबेडकर पर की गई टिप्पणी के विरोध स्वरूप मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने के उद्देश्य से बड़ा प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं ने शहीद स्मारक से मुख्यमंत्री निवास की ओर कूच किया लेकिन पहले से तैयार पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर उन्हें रोक दिया। यूथ कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष और विधायक अभिमन्यु पुनिया के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स को पार करने का प्रयास किया। जैसे ही पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो प्रदर्शनकारियों ने इसका विरोध किया। इसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई और प्रदर्शनकारियों ने जबर्न सुरक्षा घेरा तोड़ने का प्रयास किया। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए वॉटर



कैनन का इस्तेमाल किया। पानी की तेज धार के बावजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पीछे हटने से इंकार कर दिया और पुलिस के खिलाफ यात्री प्रदर्शन शुरू कर दी। प्रदर्शनकारियों ने जबाब में पुलिस पर कुर्सियां फेंकीं, जिससे माहौल और गरमा गया। हालात काबू से बाहर होते देख पुलिस ने लाठीचार्ज

कर दिया, जिसमें कई कांग्रेस कार्यकर्ता घायल हो गए, जिन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। इसके बावजूद प्रदर्शनकारी डटे रहे और गिरफ्तारी देने का निर्णय लिया। पुलिस ने गिरफ्तार कार्यकर्ताओं को शहर के दूरस्थ स्थानों में ले जाकर छोड़ा। यूथ कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष अभिमन्यु पुनिया ने इस घटना की कड़ी

निंदा की है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है और सरकार जनता की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। पुनिया ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो प्रदेशभर में बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। पुलिस ने अपनी कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि यह कदम कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए उठया गया था। एक अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने कानून हाथ में लेने की कोशिश की, जिसके चलते मजबूरी में वॉटर कैनन और लाठीचार्ज का सहारा लेना पड़ा। बहरहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन इस घटना के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। कांग्रेस और सरकार के बीच टकराव के चलते आगामी दिनों में और भी प्रदर्शन देखने को मिल सकते हैं।

‘विश्वगुरु भारत’ के व्याख्यान में बोले आरएसएस प्रमुख

राम मंदिर बनाने से कोई हिंदू नेता नहीं बन सकता: भागवत

पुणे (वार्ता)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा है कि राम मंदिर बनाने से कोई हिंदू नेता नहीं बन सकता। श्री भागवत ने शुक्रवार को पुणे में 'विश्वगुरु भारत' के व्याख्यान को संबोधित करते हुए कहा, 'धर्म प्राचीन है और धर्म की पहचान से ही राम मंदिर बनाया गया है। यह सही है, लेकिन सिर्फ मंदिर बन जाने से कोई हिंदुओं का नेता नहीं बन सकता। हिंदू धर्म सनातन धर्म है और इस सनातन और सनातन धर्म के आचार्य सेवाधर्म का पालन करते हैं। यह मानव धर्म की तरह सेवा धर्म है। सेवा करते समय हमेशा चर्चा से दूर रहना हमारा स्वभाव है। उन्होंने आगे कहा, जो लोग बिना दिखावे के लगातार सेवा करते हैं, वे सेवा की इच्छा रखते हैं। सेवा धर्म का पालन करते हुए हमें अतिवादी नहीं होना चाहिए और देश की परिस्थिति के अनुसार मध्यम मार्ग



अपनाना चाहिए। मानव धर्म ब्रह्मांड का धर्म है और इसे सेवा के माध्यम से प्रकट किया जाना चाहिए। वह विश्व शांति की घोषणा करते हैं, लेकिन अन्य जगहों पर अल्पसंख्यकों की क्या स्थिति है? इस पर ध्यान देना जरूरी है। पेट भरने के लिए जो जरूरी है, वह करना चाहिए, लेकिन घर-गृहस्थी से परे जो कुछ भी हमें मिला है, उसका दोगुना सेवा के रूप में देना चाहिए।

मानव अन्वेषण और अनुसंधान में सहयोग के लिए इसरो-ईएसए के बीच समझौता

अंतरिक्ष यात्रियों के प्रशिक्षण पर मिलकर सहयोग करेंगी दोनों एजेंसियां

बंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को कहा कि उसने यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण, मिशन क्रियान्वयन और अनुसंधान प्रयोगों से जुड़ी गतिविधियों पर सहयोग किया जाएगा। समझौते पर इसरो प्रमुख एस सोमनाथ और ईएसए के निदेशक जोसफ एशबैचर ने हस्ताक्षर किए। इसरो ने एक बयान में कहा, इस समझौते के तहत दोनों एजेंसियां मानव अन्वेषण और अनुसंधान में सहयोग करेंगी। खासकर अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण, प्रयोग, अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन



(आईएसएस) पर ईएसए की सुविधाओं का उपयोग, मानव और जैव चिकित्सा अनुसंधान प्रयोगों का क्रियान्वयन, साथ ही शिक्षा और जन जागरूकता की गतिविधियों पर मिलकर काम किया जाएगा। बयान में आगे कहा गया कि एक्सओम-4 मिशन में इसरो के गगनयात्री और

ईएसए के अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं। इस मिशन में भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा किए गए कुछ अन्वेषण का प्रयोग अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर किए जाएंगे। इस मौके पर सोमनाथ ने कहा कि इसरो ने मानव अंतरिक्ष उड़ान के लिए एक रोडमैप तैयार किया है। इसके तहत भारत अपने स्वदेशी अंतरिक्ष स्टेशन बीएसएस (भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन) भी बनाने जा रहा है और इससे ईएसए के साथ सहयोग के नए रास्ते खुलेंगे। वहीं, ईएसए के प्रमुख एशबैचर ने इस समझौते को दोनों एजेंसियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण बताया और इसरो की सराहना की।

धरना स्थल पर ही क्लास चलाने की तैयारी, दंडवत यात्रा से पहले छात्र बेहोश



छात्रों को पढ़ाने का निर्णय लिया है। वहीं अरविंद सिंह भदौरिया नाम का एक छात्र बेहोश हो गया। आयोग की सबुद्धि के लिए अभ्यर्थी सामूहिक रूप से हड़ताल चालीसा का पाठ करेंगे। दोपहर 3:00 बजे के बाद दंडवत

परिक्रमा करने की प्लांनिंग थी लेकिन उसे निरस्त कर दिया गया है। अब यह कल निकाली जाएगी। छात्रों की प्रमुख मांग है कि भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाए और परीक्षा प्रणाली में सुधार हो।

कमलनाथ ने सीएम से की अपील

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने इस मुद्दे पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए झू (पूर्व में टिवर) पर लिखा, 'ख़्ब्रह्म के अभ्यर्थियों का आंदोलन तीन दिन से जारी है, लेकिन सरकार उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दे रही है। मध्य प्रदेश

में सरकारी भर्ती प्रक्रिया संदिग्ध हो चुकी है। दलालों का रैकेट सक्रिय है, और परीक्षाओं की प्रक्रिया बार-बार विवादों में फंसी है। मैं मुख्यमंत्री से अपील करता हूं कि छात्रों की समस्याओं का समाधान जल्द निकाला जाए।

20 हजार युवाओं के पहुंचने की संभावना-नेशनल एजुकटेड यूथ यूनियन के सदस्य राधे जाट ने कहा कि अनशन के दौरान कुछ समस्याएं आ रही हैं, लेकिन प्रदेश के युवाओं से आग्रह है कि आपका कल का उत्साह प्रेरणादायक था। आपसे अनुरोध है कि जल्द से जल्द धरना स्थल पर पहुंचें।



■ न्यूज गैलरी

90 लाख देने पर मिलेगी साध्वी लक्ष्मीदास को जमानत: हाईकोर्ट ने सुनाया अहम फैसला



सीजेएम कोर्ट में जमा करनी होगी राशि

छिंदवाड़ा/नवप्रदेश। जिले के नोनिकला स्थित श्रीराम जानकी मंदिर के महंत स्व. कनक बिहारी दास जी महाराज के खाते से फर्जी नॉमिनी बनकर 90 लाख रुपए निकालने वाली कथित साध्वी को सीजेएम कोर्ट में 90 लाख रुपए जमा कराने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद ही उसको जमानत मिलेगी। दरअसल, हाईकोर्ट ने शुक्रवार को श्रीराम जानकी मंदिर आश्रम छिंदवाड़ा के महंत की राशि के गबन के मामले में आरोपी साध्वी लक्ष्मी दास को 90 लाख रुपए सीजेएम कोर्ट में जमा कराने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा- आवेदिका राशि जमा करने के बाद उसकी रसीद जांच अधिकारी को दें। रसीद सौंपने के बाद आवेदिका को अग्रिम जमानत देने के निर्देश दिए गए हैं। जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल की एकलपीठ ने इस मामले में एक अन्य आरोपी हर्ष रघुवंशी को भी राशि जमा कराने की शर्त पर जमानत दी है। कोर्ट ने जमानत के दौरान आरोपियों को देश छोड़कर नहीं जाने के निर्देश दिए हैं। भोपाल निवासी साध्वी लक्ष्मी दास और हर्ष रघुवंशी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनीष दत्त ने मामले की पैरवी की। वहीं आपत्तिकर्ता श्याम सिंह रघुवंशी की ओर से अधिवक्ता सुमित रघुवंशी ने पक्ष रखा। मामले के अनुसार आश्रम के महंत कनक दास महाराज ने अयोध्या में रामलला के मंदिर निर्माण के बाद 2121 यज्ञ करने का संकल्प लिया था। इसके लिए उन्होंने समाज से दान के माध्यम से 90 लाख रुपए की राशि एकत्रित की थी। एक सड़क दुर्घटना में उनकी 17 अप्रैल 2023 को महंत की मृत्यु हो गई। आरोप है कि उनकी मृत्यु के बाद स्वयं की शिष्या बताते हुए साध्वी ने महंत का मोबाइल नंबर अपने नाम करा लिया और उक्त राशि का गबन कर लिया। साध्वी ने उसमें से कुछ राशि अपने भाई हर्ष और एक मित्र मनीष सोनी को ट्रांसफर कर दी। इसके बाद छिंदवाड़ा के चौराई पुलिस थाने में आवेदकों के खिलाफ धोखाधड़ी और अन्य धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

भाई हुआ था गिरफ्तार, जब्त हुई थी कार

दरअसल, साध्वी का भाई हर्ष रघुवंशी पिछले दिनों भोपाल से गिरफ्तार हो गया था जिसके पास से लज्जरी कार बरामद की गई थी। वही मामले में अब हाई कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला दिया है।

धोखाधड़ी कर बनी नॉमिनी, फिर निकाले रुपए

बम्हनीलाला के रहने वाले और श्रीराम जानकी मंदिर समिति के नए महंत श्याम दास महाराज और मंदिर से जुड़े चक्रपाल सिंह पटेल ने 15 दिन पहले चौराई थाने में शिकायत की थी। इसमें बताया था कि कनक बिहारी दास महाराज का खाता चौराई की स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में है। अकाउंट में 90 लाख रुपए जमा थे। पटेल ने बताया, रीना रघुवंशी मूल रूप से बिदिशा की रहने वाली है। वह कनक दास महाराज से 2022 में बिदिशा के घमाकर में आयोजित यज्ञ कार्यक्रम में जुड़ी थी। महाराज के निधन के बाद रीना ने कूटरचित्त दस्तावेजों की मदद से खुद को कनक दास महाराज का नॉमिनी बना लिया। दस्तावेजों की मदद से 28 दिसंबर 2023 को भोपाल से मोबाइल सिम भी अलॉट करवा ली।

एक महीने में करीब 90 लाख का ट्रांजेक्शन

रीना का खाता भोपाल के यस बैंक में है। 31 दिसंबर 2023 को उसने महाराज के खाते से अपने खाते में एक रुपए ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कर चेक भी किया। सफल होने पर लगातार ट्रांजेक्शन करती रही। 19 जनवरी को 50 लाख रुपए कैश निकाले। 31 जनवरी को आखिरी बार 9 लाख 99 हजार 999 रुपए का ट्रांजेक्शन किया। एक महीने में ऑनलाइन और ऑफलाइन 89 लाख 80 हजार रुपए अपने खाते में ट्रांसफर कराए। अब कनकदास महाराज के खाते में सिर्फ 20 हजार रुपए बचे हैं।

ऐसे पता चला, फिर की शिकायत

चौराई की एसबीआई ब्रांच में जब रीना ट्रांजेक्शन करने पहुंची, तभी कुछ गांव के लोगों ने देख लिया। इसके बाद बैंक में भी पूछताछ की। 10 जुलाई को गांव वालों ने मंदिर से जुड़े लोगों को बताया। 12 जुलाई को मंदिर के नए महंत श्याम दास जी महाराज और चक्रपाल सिंह पटेल ने चौराई थाने में शिकायत की। कार्रवाई नहीं होने पर 18 जुलाई को छिंदवाड़ा एसपी मनीष खत्री से शिकायत की। एसपी ने जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए। जांच के बाद शुक्रवार को रीना रघुवंशी उर्फ लक्ष्मीदास के खिलाफ कंस दर्ज किया गया।

रूम हीटर से रजाई में लगी आग: 90 वर्षीय महिला की झुलसने से मौत

मऊगंज/नवप्रदेश। मऊगंज जिले में रूम हीटर से कमरे में लगी आग से 90 वर्षीय महिला की मौत का मामला सामने आया है। घटना शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब 3 बजे की है। महिला को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया जहां उसकी मौत हो गई। हादसा जिले के देवतालाब थाना क्षेत्र के जुड़मनिया गांव में हुआ है। मृतक ललितता तिवारी के पुत्र राजेश तिवारी ने बताया कि ठंड से बचने के लिए हमेशा रूम हीटर कमरे में लगा रहता था। बीती रात अचानक रजाई में आग लग गई। जब तक हम उनके कमरे में पहुंचते आग काफी भड़क चुकी थी। किसी तरह आग को बुझाया गया। इसके बाद ललितता तिवारी को अस्पताल लेकर आए। चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। और महिला को अस्पताल लेकर आए तो उसकी मौत हो गई

खेल क्षेत्र में रतलाम बना रहा है विशिष्ट पहचान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने रतलाम में खेल चेतना मेले के रजत जयंती समारोह का किया शुभारंभ

आजादी के बाद प्रदेश में पहली बार खेल बजट में हुआ 586 करोड़ रुपये का प्रावधान

खेल अब पाट्यक्रम का भी हिस्सा

रतलाम मेडिकल कॉलेज में स्थापित होगी कार्डियक ब्रांच

रतलाम में साड़ी क्लस्टर और हॉकी के लिए एस्ट्रो टर्फ का होगा निर्माण

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आजादी के बाद पहली बार हमने प्रदेश में खेलों के लिए 586 करोड़ रुपये के बड़े बजट का प्रावधान किया है। मध्यप्रदेश एकमात्र ऐसा राज्य है, जहाँ हॉकी के लिए सर्वाधिक एस्ट्रोर्टर्फ होंगे। खेलों को अब पाट्यक्रम का भी हिस्सा बनाया गया है। खेल शिक्षक भी असिस्टेंट प्रोफेसर, प्रोफेसर और कुलपुरु बन सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को रतलाम में चैतन्य काश्यप फाउंडेशन द्वारा आयोजित किये जा रहे खेल चेतना मेले के रजत जयंती समारोह का शुभारंभ कर संबोधित करते थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ध्वजारोहण कर खेल चेतना मेले के शुभारंभ की घोषणा की। कार्यक्रम में सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य काश्यप, सांसद श्री सुधीर गुप्ता, सांसद श्रीमती



अनीता नागर सिंह चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लालाबाई शंभू लाल चंद्रवंशी, विधायक आलोट श्री चिंतामणि मालवीय, विधायक रतलाम ग्रामीण श्री मथुरा लाल डामोर, महापौर श्री प्रहलाद पटेल, श्री प्रदीप उपाध्याय, नगर निगम अध्यक्ष श्रीमती मनीषा शर्मा, सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रतलाम में हॉकी के लिए एस्ट्रो टर्फ निर्माण, व्यवसाय को गति देने के लिए साड़ी क्लस्टर निर्माण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि साड़ी क्लस्टर में महेश्वर, चंदेरी की तर्ज पर शहर में महिलाओं को साड़ी निर्माण से जोड़ा जाये। रतलाम के शासकीय लक्ष्मी नारायण पांडे मेडिकल कॉलेज में सभी प्रकार के हृदय संबंधी उपचार एवं ऑपरेशंस के लिए कार्डियक ब्रांच स्थापित करने की भी घोषणा की। रतलाम में

खेलों के लिए अधोसंरचना विकास एवं बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शासन द्वारा रतलाम में 15 करोड़ रुपए की लागत से एकीकृत स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें जूडो, कराटे, बैडमिंटन, कुरुती, कबड्डी इत्यादि इनडोर खेल गतिविधियां आयोजित की जा सकेंगी। साथ 400 मीटर दौड़ के लिए सिंथेटिक ट्रैक भी बन रहा है। साथ ही 1200 लोगों की क्षमता के पवेलियन तथा जिम का निर्माण भी किया जा रहा है। जिले के आलोट में खेलों के लिए भूमि आवंटित कर दी गई है। पिपलोदा-रावटी में भी भूमि आवंटित की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश, देश का ऐसा पहला राज्य होगा जहां हॉकी के लिए सर्वाधिक 12 एस्ट्रो टर्फ की सुविधा होगी।

भोपाल के भीड़ वाले इलाके में आग, दहशत

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के भीड़ वाले इलाके पीर गेट स्थित एक रजाई-गद्दे के गोदाम में शनिवार को आग लग गई। आग की लपटें उठने से इलाके में दहशत फैल गई। लोग आग बुझाने के लिए दौड़ पड़े। ताकि, वह ज्यादा न फैले। इधर, दमकल को सूचना दी गई। बावजूद 1 घंटे में आग बुझाई जा सकी। आगजनी की घटना शनिवार दोपहर की है। पीर गेट पर कपयू वाली माता मंदिर के पास मोहम्मद फरीद उर्फ गुड्डू की रजाई-गद्दों की दुकान है। वहीं, पास की बिल्डिंग में फर्स्ट फ्लोर पर गोदाम है। यहां पर रुई और रजाई-गद्दे रखे थे। मोहम्मद फरीद ने बताया, शार्ट सर्किट की वजह से आग लगी है। गोदाम में सीधे पोल से बिजली की लाइन पहुंची है। जब आग लगी, तब वॉल्टेज कम-ज्यादा हो रहा था। इसके चलते ही आग लग गई। समय रहते आग बुझा ली गई। फिर भी हजारों रुपए के रजाई-गद्दे जल गए और रुई भींगकर खराब हो गई।

कुछ देर पहले ही निकले थे कर्मचारी

जिस गोदाम में आग लगी, वहां काम करके कुछ देर पहले ही दो कर्मचारी निकले थे। ऐसे में वे आग की चपेट में आने से बच गए और कोई जनहानि नहीं हुई। फतेहगढ़ फायर स्टेशन से दमकल मौके पर पहुंची थी।

पास में कई दुकानें

गोदाम के पास ही कई दुकानें भी हैं। वहीं, संकरा रास्ता है। यदि आग फैलती तो बड़ा नुकसान कर जाती। इसलिए लोग भी आग बुझाने लगे। जिससे आग ज्यादा नहीं फैल सकी।

अक्षय पात्र फाउंडेशन का समर्पण और सेवाभाव अनुकरणीय : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

फाउंडेशन की भोपाल स्थित केंद्रीयकृत रसोई का किया अवलोकन

भोपाल/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा हैं कि अक्षय पात्र फाउंडेशन द्वारा स्वच्छ और पौष्टिक भोजन विद्यार्थियों तक पहुंचाने का पुनीत कार्य किया जा रहा है। यहाँ जिस साफ-सफाई से और पोषक तत्वों की आवश्यकता को ध्यान में रखकर भोजन बनाने का कार्य किया जा रहा है, वह अनुकरणीय है। उन्होंने संस्था में कार्यरत सभी कर्मचारियों के समर्पण और सेवा-भाव की सराहना की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने भोपाल में अक्षय पात्र फाउंडेशन की केंद्रीयकृत रसोई का अवलोकन किया।

राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि



अक्षय पात्र फाउंडेशन का यह प्रयास न केवल बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक है, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने संस्था के समर्पित कर्मचारियों और प्रबंधन टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में यह संस्था और अधिक बच्चों तक अपनी सेवाएं पहुंचाएगी और अन्य संस्थानों को भी प्रेरित करेगी।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने संस्था की स्वचालित प्रक्रिया, सुव्यवस्थित संचालन और योजनाबद्ध कार्यक्रमों की सराहना की। उन्होंने कहा कि अक्षय पात्र फाउंडेशन न केवल बच्चों को स्वच्छ और पौष्टिक भोजन उपलब्ध करा रहा है, बल्कि यह कार्य अत्यंत प्रभावशाली और अनुकरणीय तरीके से किया जा रहा है। संस्था का सुव्यवस्थित संचालन इसके योजनाबद्ध दृष्टिकोण को दर्शाता है। भोजन वितरण के

लिए विशेष वाहनों का उपयोग, समय प्रबंधन का सख्त पालन, पोषण गुणवत्ता की नियमित जाँच और प्रबंधन टीम के बीच उत्कृष्ट समन्वय इसे और अधिक प्रभावी बनाते हैं।

शासकीय और निजी क्षेत्र के बीच मजबूत साझेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने राष्ट्रीय स्तर पर अक्षय पात्र फाउंडेशन के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह मॉडल शासकीय और निजी क्षेत्र के बीच मजबूत साझेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह संस्था पूरे भारत में 16 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में 23 हजार से अधिक विद्यालयों में लगभग 22 लाख 50 हजार बच्चों को पौष्टिक भोजन प्रदान कर रही है। उल्लेखनीय है कि अक्षय पात्र फाउंडेशन के भोपाल स्थित किचन से मध्याह्न भोजन के तहत 645 विद्यालयों के लगभग 35 हजार बच्चों को भोजन प्रदाय किया जा रहा है। अक्षय पात्र फाउंडेशन के भोपाल क्लस्टर के अध्यक्ष आचार्य रत्न दासा उपस्थित थे।

मंडला में जनपद उपाध्यक्ष पर एफआईआर दर्ज

शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का आरोप, सरपंच ने बम्हनी थाने में की शिकायत

मंडला/नवप्रदेश। मंडला जनपद के उपाध्यक्ष पर शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज हुआ है। ग्राम पंचायत र व । र । सर पं च ममता उइके ने बम्हनी थाने में शिकायत की थी कि ज न प द उपाध्यक्ष सदीप सिंगौर और एक पंच लेखराम जंघेला ने ग्राम ग्वारा के एक जर्जर स्कूल भवन को प्रक्रिया का पालन किए बिना ही जैसीबी मशीन से ध्वस्त कर मलबा ले गए। सरपंच की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए बम्हनी थाने में दोनों के खिलाफ भविष्य धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

सरपंच ने जनपद उपाध्यक्ष पर मनमाने तरीके से शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करने की मांग की थी। इस शिकायत पर बम्हनी पुलिस ने उपाध्यक्ष और पंच पर धारा 324 (3), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया है।एसपी रजत सकलेचा ने बताया कि



कारण वहीं दोनों हैं। कुछ दिन पहले दोनों ने मिलकर मुझे बहुत मारा, मेरे हाथ-पैर तोड़ दिए। मुझे काम करने से लाचार कर दिया, जिसके चलते मेरे बच्चों का पालन-पोषण नहीं हो पा रहा है। वीडियो में राजा ने बताया कि अपनी ही जमीन के लिए तीन-चार साल से कंस लड़ रहा हूं, पर सफलता कहीं नहीं मिल रही है, इसलिए अपना जीवन खत्म करने की स्थिति में आ गया हूं। थक चुका हूं, मजबूर हो गया हूं। घर के पीछे ही डेयरी खोले हुए, गोबर मेरे घर के सामने फेंक देते हैं। परिवार वालों के साथ कैसे रह रहा हूं, ईश्वर जानता है। राजा ने अपने वीडियो में

कहा कि कोर्ट-कचहरी से थक चुका हूं, सरकार भी मदद नहीं कर रही है। कौशल-मुकेश के पैसे हैं, दादागिरी बता रहे हैं, गुंडागर्दी करते हैं। राजा सेन ने अपने वीडियो में विनय असाटी का भी नाम लिया है, जो कि नेता बताया जा रहा है। राजा सेन ने सिस्टम पर भी सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मचारियों से भी कई बार हेल्प-हेल्प-हेल्प लेता रहा, उनसे मदद मांगता रहा, पर किसी ने मेरी नहीं सुनी। मेरी पहुंच नहीं है, तो कहीं सुनवाई नहीं हो रही है। मैं थक चुका हूं, अब मेरी मौत से बढ्कर कुछ नहीं है। मेरे चाचा भैयालार मेरे पिता

जैसे ही, सबकुछ वहीं है। 14 तरीख, दिन शनिवार है, सुबह का समय है, मैं मर रहा हूं। श्री राम लाज रखना...जय श्रीराम। राजा सेन ने अपने मोबाइल से करीब छह मिनट का वीडियो बनाने के बाद आखिरकार 15 तरीख की रात को खेत में कीटनाशक दवा पीकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के मुताबिक अप्रैल माह में जमीन विवाद को लेकर कौशल सेन-मुकेश सेन ने अपने पूरे परिवार के साथ मिलकर राजा सेन के घर में घुसकर मारपीट की थी। दोनों भाइयों ने मिलकर इस कदर मारा था कि उसके दोनों हाथ-पैर टूट गए थे। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने सिहोरा थाना पुलिस में शिकायत की दर्ज करवाई थी, पर पुलिस ने मामूली धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच करने की बात कही। घटना के बाद डरे राजा सेन ने पत्नी और तीन बच्चों के साथ गांव छोड़ दिया और अपनी ससुराल चिचली गांव में जाकर रहने लगा। जानकारी के मुताबिक 16 दिसंबर को राजा की बड़ी बेटी और बड़े बेटे की परीक्षा थी, वहीं दिलवाने के लिए 13 दिसंबर को वह गांव आया था।



सुनो भाई उधो

कागज, कलम अउ गरीब



परमानंद वर्मा

उपहास, मजाक और खिल्ली उड़ाना नितांत हानिकारक व जीवलेवा होता है। यह बहुत बड़ा मानसिक विकार है। इससे बचकर रहना चाहिए। कई लोग इसे मनोरंजन का शक्ल देते हैं लेकिन इसके दूरगामी परिणाम अंततोगत्वा घातक ही होते हैं। इसी संदर्भ में पढ़िए यह छत्तीसगढ़ी आलेख...

बड़ला गरियार, गतउतार होगे अउ नांगर (हल) रेचका होगे तब नंगरिहा के तो मरे बिहान हे। फेर ओहर कहुं होसलगहा हे, तब कइसनो करके दूनो ला सजोर कर डरथे अउ एकड़, दू एकड़ जमीन ला जोत के सिंधिया उरथे।

कोनो-कोनो अइसन नंगरिहा देख के ओकर मजाक, हंसी उड़ाथे अउ कहिये- पहिली बड़ला अउ नांगर के गत ला तो देख ले फेर खेती करे के बात ला सोचबे।

ओकर जवाब देवत नंगरिहा कहिये- भइया जेकर मं कूबत हे ओहर बड़ला अउ नांगर कइसनो राहय, ओमन ला सोझ करके अपन काम ला सिध पार डरथे। काम करइवा मनखे के मन मं सिरिफहौसला चाही। ककरो हंसी, मजाक उड़ाके मन ला कमजोर नइ करना चाही?

अइसने कस घटना ओ दिन मोर संग होगे। कभू सोचे नइ रहथे के मितान मोर हंसी, मजाक उड़ाही, फेर का करबे कभू-कभू बात अइसन आ परथे के जेला नइ कहना अउ करना चाही तउन हो जथे। कहिये- तोर करा अतेक चीज-बस हावय तेकर रहिते कइसे तंय अतेक कंजूसी अउ गरीबी मं जीधस, मोर समझ नइ आवय, कइसे-कइसे होगे हस।

काकर बर अतेक जोरत-बटोरत हस, मरबे तब का ले के जाबे, सब इहे धरे के धरे रहि जाही। बने जी-खा ले, दान-पुत्र कर ले। मितान हर अइसन कभू कहइया नोहय, फेर ओ दिन कहि पारिण। तब ओला ओकर सवाल के जवाब देवत केहेंव- अइसे का देख डेरस ते मोला गरीब, कंजूस अउ का-का नइ कहि डेरस। अइसन मजाक नइ उड़ावय मितान। मान ले मंय गरीब हौं, तब तो गरीब मनखे मन के तो हंसी अउ मजाक बिल्कुल नइ उड़ाना चाही।

कोनो गरीब के मजाक उड़ाना अच्छ नइ होवय। अउ पहली बात, मजाक तो ककरो उड़ाना ही नइ चाही।

मितान ला सुरता करावत बतायौं तोला तुरसा हे मितान- द्रौपदी एक घौं दुयोधन के मजाक उड़ाय रहिसे। बात ला तो ओहर ठड्ड-मसखरी समझिन अउ कहि परिस-अंधरा के बेटा अंधरा होथे का? नानमुन, छोटकिन बात नइ केहे रहिसे। ओ बात छाती मं बान मारे कस लगगे दुयोधन ला। हास के ओ दिन तो टार दिस।

फेर बाद मं का हाल होइस ओ मजाक के, तेला सब जानत अउ समझत ही। द्रौपदी के चीहरन के घटना होगे। बात इही तीर नइ सिरइस, अतेक बड़े महाभारत होगे जइसन आज तक दुनिया के इतिहास मं नइ सुने, पढ़े ले मिलय।

अइसने कस एक गरीब ब्राम्हन सुदामा रहिसे। ओकर गोसइन ओला अपन मितान भगवान कृष्ण करा जाय के सलाह देथे। तब ओला बरजत सुदामा कहिये- मोर मितान मथुरा के राजा हे, अउ मंय कहां गरीब ब्राम्हन, ओकर मोर तुलना कहा। द्वारपाल मन मोला देखते साठ हटकार के भगा दिही, मंय नइ जांव ओकर करा। अउ फेर मितान करा कहुं जाबे तब भेंट करे बर तो कुछ नइ हे।

तब सुशीला कहिये- ओकर चित्ता मत कर, मंय सब बेवस्था कर दे हौं। कहिये नहीं जउन डौकी मन के बात मानथे तउन धारे-धार बोहाथे, वइसने कस किस्सा होगे सुदामा के।

चांवुर के पोटली धर के मथुरा के दरबार मं कइसने करके पहुंचगे लजावत, शरमावत अउ सकुचावत। जउन गरीब रहिये तेकर मन के अइसने हाल होथे।

भगवान सुदामा के मन के बात जानगे अउ बगल मं दबाय चांवुर के पोटली ला खोलके ओकर गरीबी के मजाक उड़ा देथे। अइसन नइ करना रहिसे, फेर कर दिस। सुदामा मारे लाज के पानी-पानी होगे। मने-मन अपन गोसइन ला जइसने पइस तइसने गारी-गुफ्तार देइस। फेर करविस का, जउन होना रहिसे तउन तो होगे।

गरीब के ये दुनिया मं कोनो नइ होवय तइसे लागथे। सब हिनमान करत रहिये, कुकुर सही दुतकारत रहिये। अइसन नइ करना चाही। मनखे-मनखे एक समान होथे, हमर गुरु घासीदास बबा घला इही बात ला केहे हे फेर मानथे कोन।

कतेक छुआछूत, भेदभाव, ऊंच-नीच, अमीर-गरीब के खेला होवत रहिये। ये सब इहे मनखे के रचे रचना हे, उही मन सब अइसन बेवस्था बनाय हे जेकर से ओकर मन के काम मं कोनो परकार के बाधा झन आवय।

नइतो भगवान हा तो सब ला मनुज शरीर के रचना करके भेजथे। कतको मन करम अउ भाग ला दोस देथे। जेकर जइसे करम अउ भाग तइसन प्लत पाथे। ये सब बेफ़लत बात हे, मंय तो नइ मानव भई ये बात ला।

अब काला का कहिबे, हमरे मितान के मति छरियागे हे तब दूसर ला का कहिबे। हांसी आथे ओकर ऊपर का बात ला देखके मोला ओहर उठेवा मारिस तउन ला समझेंगेव, फेर ओ बात ये तीर फेर के बतावौं नहीं, जानिहौं तब सबो झन खिलखिला के हांस परिहौं।

वइसे बात लुकाय-छिपाय के लइक नइहे। कागज अउ कलम ला लेके अतेक बड़े बात उरइस। कहिसन- जब लिखथस तब बने कागज अउ कलम लेके बइटे कर, एकरो बर गरीबी अउ कंजूसी बने नइ होवय। जेकर भरोसे रोजी-रोटी चलथे, तेला तो बने संजो के रखे कर। चुप रहिगेव, ओला कुछ नइ केहेंव।

आज का पंचांग

बुध	11	10	बुध-14
सूर्य-शुक्र-शनि	9	15	8
राहु	15	13-15	वक्र-केतु
मंगल	14	4	6
	3	5	

सूर्योदय : 07:47, चन्द्रोदय: 23:29, चन्द्रास्त: 11:36, अयन दक्षिणायन, ऋतु: ?? हेमंत, शक सम्वत: 1946 (श्रेष्ठी), विक्रम सम्वत: 2081 (कालयुक्त) पिंगल, संवत्सर : श्रेष्ठी, संवत्सर : (उतर) कालयुक्त, युगाब्द : (कलि संवत) 5125, मास : पौष (महा), पक्ष : कृष्ण,तिथि : सप्तमी, नक्षत्र : उत्तरफल्गुनी, योग : आर्युजान, प्रथम करण : वणिज (12:21 तक),द्वितीय करण : विष्टि मद्रा (25:12 तक)।

॥ गोवर ग्रहः ॥

सूर्य : धनु, चंद्र : सिंह, मंगल : कर्क (उदित, पश्चिम, वक्री), बुध : बुध्धिक (उदित, पूर्व, मार्गी), गुरु : वृषभ (उदित, पश्चिम, वक्री), शुक्र : मकर (उदित, पूर्व, मार्गी), शनि : कुम्भ (उदित, पूर्व, मार्गी), राहु : मीन, केतु : कन्या।

शुभाशुभ मुहूर्त विचार

अभिजित मुहूर्त : 12:04 से 12:47, राहुकाल : 16:30 से 18:00, यमगाउः 13:46 से 15:06, दुर्मुहूर्त : 07:04 से 07:47, अमृत काल : 23:11 से 24:57, निपुकर योग : 30:14 से 31:04, रवि योग : 07:04 से 30:14, विजय मुहूर्त : 14:12 से 14:55, गोघृणि मुहूर्त : 17:44 से 18:11, सायाह्न सन्ध्या : 17:47 से 19:062, निशिता मुहूर्त : 23:59 से 24:52।

राजेश श्रीवास्तव

प्रयागराज में त्रिवेणी के तट पर विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समागम महाकुंभ में आस्था की अलौकिक दुनिया साकार होने के साथ ही अखाड़ों के धर्मध्वजा महाकुंभ का आकर्षण का केन्द्र बन चुके हैं। धर्मध्वज संस्कृत शब्द है, धर्म और ध्वज से बना है। कुंभ में अलग-अलग अखाड़ों की धर्मध्वजाएं होती हैं। दरअसल धर्मध्वजाएं अखाड़ों की आन, बान और शान का प्रतीक हैं. अखाड़ों में लहराती धर्म ध्वजाएं महाकुंभ क्षेत्र में सखा की आकर्षित कर लेती हैं. यही वजह है कि अखाड़े किसी भी परिस्थिति में धर्मध्वजा के झुकने को स्वीकार नहीं करते. यह सनातन का अभिमान है और पुण्य उदय से ही धर्म ध्वजा को पहचाने की परंपरा है। कुंभ मेले का शुभारंभ होने पर सभी अखाड़ों की तरफ से धर्म ध्वजा की स्थापना की जाती है. धर्म ध्वजा के नीचे ही सन्यासियों को दीक्षा देने की परंपरा है. वैसे भी धर्म ध्वजा स्थापित होने के बाद ही अखाड़ों में मेले की शुरुआत होती है. धर्म ध्वजा अखाड़ों की धार्मिक पहचान है, जो दूर से दिखाई देती है. माना जाता है कि सनातन धर्म की रक्षा के लिए आदि शंकराचार्य ने इन अखाड़ों की स्थापना की थी. ेभूमि पूजन और धर्म ध्वजा कुम्भ की भूमि में स्थापित करने के पीछे हमारी पुरानी मान्यता है. कुम्भ क्षेत्र में जाने के बाद हम सबसे पहले भूमि पूजन करके धर्म ध्वजा लगाते है. ध्वजा का जो दंड होता है वो बावन हाथ का होता है जिसमे जनेऊ की बावन गांठें होती हैं जो प्रतीक होती है अखाड़ों की बावन मंडियों की। महाकुंभ 2025 में आस्था और सनातन धर्म के विविध रंग निखरने लगे हैं। सनातन धर्म के शिखर सन्यासियों के अखाड़ों की धर्म ध्वजा एक-एक कर स्थापित होने से दिव्य और भव्य कुंभ की अनुभूति जीवंत हो चली है। महाकुम्भ में सनातन धर्म की भव्यता और परंपरा की झलक दिखाई दे रही है. महाकुंभ में अखाड़े अपनी आध्यात्मिकता, साधना और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के जरिए श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र होते हैं। उनकी उपस्थिति हिंदू धर्म की समावेशीता और विविधता को प्रदर्शित करेगी, जो भारतीय संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। क्योंकि धर्म की रक्षा अखाड़े ही करते हैं और उसको साथ लिए बिना कोई भी धार्मिक लक्ष्य प्राप्त करना मुश्किल है। श्री पंच दशनाम जुना अखाड़ा और उसके भ्राता अखाड़े कहे जाने वाले श्री पंच दशनाम आवाहन अखाड़े और अगि अखाड़े के सन्यासियों ने पूरे विधि विधान के साथ अपने अपने अखाड़ों के इष्ट का आवाहन कर अपनी धर्म ध्वजा महाकुंभ क्षेत्र में फहरा दी है। धर्म ध्वजा की स्थापना अखाड़ों के लिए सबसे महत्वपूर्ण होती है। कुंभ मेले का शुभारंभ होने पर सभी अखाड़ों की तरफसे धर्म ध्वजा की स्थापना की जाती है। बता दें, सनातन में धार्मिक चिन्ह और उनसे जुड़ी कई मान्यताएं प्रचलित हैं. इन्हीं में से एक है भगवा ध्वज, जिसकी सनातन धर्म में विशेष मान्यताएं हैं। भगवा त्रिकोण ध्वज होता है. इसके साथ चारों दिशाओं के अलग-अलग धर्म ध्वजा को विशेष महत्व दिया जाता है. सनातन धर्म में भगवा रंग का विशेष महत्व है, क्योंकि इस रंग को अग्नि और ज्ञान का प्रतीक माना जाता है. अग्नि अंधकार को नष्ट करता और ज्ञान व्यक्त के व्यवहार को विनम्र बनाता है. मान्यता है भगवा ध्वज ईश्वर के संप्रभुता का प्रतिनिधित्व करते हैं और त्रिकोण आकर का ध्वज तीनों लोक-स्वर्ग, धरती और पाताल को दर्शाते हैं. साथ ही यह तीन

कोने तीनों काल भूत, वर्तमान और भविष्य के भी संकेतक माने जाते हैं. हालांकि सनातन में तीन रंगों के ध्वज को प्रमुख मान्यता दी गई है. वह तीन रंग हैं- गेरुआ, भगवा और केसरी. लेकिन विशेष अवसरों पर अन्य रंगों का भी प्रयोग किया जाता है. वहीं विविध संप्रदायों के अपने-अपने ध्वज भी होते हैं. ध्वज पर बने पताका भी विशेष महत्व रखते हैं, जैसे शैव संप्रदाय में नंदी ध्वज को मान्यता दी जाती है. वैष्णव धर्म में गरुड़ ध्वज को प्रमुख माना जाता है. इनके साथ सिंह ध्वज और चंद्र ध्वज का हिन्दू धर्म में विशेष मान्यता है. त्रिभुजाकार ध्वज में दो त्रिकोण मिलकर ध्वज का निर्माण होता है. ऊपर वाला त्रिकोण नीचे वाले से छोटा होता है. जबकि प्राचीन काल में युद्धभूमि में 08 प्रकार के पताकाओं का विशेष महत्व दिया गया है. वह मुख्य ध्वज थे- विजय, भीम, चपल, जय, वैजयंतिक, विशाल, दीर्घ और लोल. जिनके अपने विशेष प्रतीक हैं। धर्म ध्वजा के नीचे ही सन्यासियों को दीक्षा देने की परंपरा है. कुंभ मेला समाप्त होने के बाद धर्म ध्वजा को पूरे विधि विधान के साथ उतारा जाता है. इस मौके पर कबी पकोड़े का भोजन किया जाता है. अखाड़ों में लहराती धर्म ध्वजाएं महाकुंभ क्षेत्र में सहज ही आकर्षित कर लेती हैं. धर्म ध्वजा अखाड़ों की आन, बान और शान का प्रतीक हैं. अखाड़े किसी भी कीमत पर धर्म ध्वजा का झुकना स्वीकार नहीं करते हैं. अखाड़ों के साधु-संन्यासी महाकुंभ के अभिन्न अंग होते हैं. कोई साधु कई दर्शकों से एक पैर पर खड़ा है तो कोई सिर्फजल पीकर ही जिंदा रहता है. धूनी रमए, घनी जटाओं वाले ये साधु अपनी वेश-भूषा की वजह से लोगों को आकर्षित भी करते हैं. इनका मूल धर्म की रक्षा में ही निहित है. इसके साथ ही धर्म ध्वजा इनकी पहचान होते हैं, जो दूर से दिखाई देती है. कुंभ शुरु होने से पहले अखाड़े अपनी धर्म ध्वजा लहराते हैं. जिसके लिए एक विशेष कद-काठी के पेड़ के तने को जंगल से काटकर लाया जाता रहा है. अखाड़ों की छवर्नियों में स्थापित होने वाली धर्म ध्वजाओं को लगाने के लिए 52 हाथ की लकड़ी का प्रयोग किया जाता रहा है या युकहे धर्म ध्वजाओं को लगाने के लिए 108 फीट से 151 फीट तक की लकड़ी का प्रयोग किया जाता रहा है। हालांकि कछ अखाड़े छोटी लकड़ी पर भी धर्म ध्वजा स्थापित करते हैं। अलग-अलग अखाड़ों की धर्म ध्वजा अलग होती है. जैसे महानिर्वाणी अखाड़े की ध्वजा लाल रंग की होती है। वहीं दिगंबर अखाड़े की ध्वजा में पांच रंग होते हैं, जहां सबसे ऊपर लाल, फिर केसरिया, सफेद, हरा और सबसे नीचे काला रंग होता है. प्रभुही अखाड़े की ध्वजा केसरिया रंग की होती है. हर अखाड़े की ध्वजा का रंग ही उसकी पहचान है. कुंभ के मेले में सूर्योदय के साथ यह ध्वजा फहराई जाती है और शाम को सूर्यास्त के साथ इसे उतार दिया जाता है. निरंजनी अखाड़े की धर्मध्वजा में 52 बंध लगाए गए हैं, जो 52 मंडियों का प्रतीक हैं. इन बंधों में एक हाथ का अंतर होता है. शैव अखाड़ों की धर्मध्वजाओं का रंग भगवा होता है. शिव भक्त इन अखाड़ों ने अपनी धर्मध्वजा को चारों दिशाओं से बांध रखा है. शैव पुराहितों जैसे महानिर्वाणी, निरंजनी, जूना, अग्नि, आनंद, आवाहन, और अटल अखाड़े में स्थापित धर्मध्वजाओं का रंग भगवा है. जूना अखाड़े की धर्मध्वजा 52 हाथ ऊंची है और यह मंडियों का प्रतीक है। यह अखाड़ा चार मंडियों में विभाजित है, जो चारों दिशाओं का संकेत देती हैं. धर्मध्वजा का हर कोना किसी दिशा से जुड़ा हुआ है. धर्मध्वजा के पास भगवान दत्तात्रेय की मूर्ति स्थापित है।

निरंजनी अखाड़े की धर्मध्वजा में 52 बंध हैं, जो दशनामी मंडियों का प्रतीक हैं. हालांकि, वर्तमान में इनमें से केवल 18 मंडियां शेष हैं. वैष्णव अनी अखाड़ों की धर्मध्वजाओं के रंग अलग-अलग हैं, लेकिन सभी के इष्टदेव हनुमान जी हैं. निर्वाणी अनी अखाड़े की लाल रंग की धर्मध्वजा पश्चिम दिशा का संकेत करती है और हनुमान जी का प्रतीक है. निर्मोही अनी की सुनहली धर्मध्वजा शांति और



शुभता क

प्रतीक है, जो पूरव दिशा का संकेत करती है. दिगंबर अनी अखाड़े की पंचरंगी ध्वजा अंगद का प्रतीक है और दक्षिण दिशा का संकेत देती है. उदासीन अखाड़ों की धर्मध्वजाओं में हनुमान जी और पंचदेव अंकित हैं।

नया पंचायती उदासीन अखाड़े की धर्मध्वजा में भगवान विष्णु का मोरपंख लगाया गया है. मोरपंख भगवान विष्णु के दर्शन कराने का प्रतीक है, जिसमें सभी रंग समाहित होते हैं. निर्मल अखाड़े की धर्मध्वजा का रंग पीला है और यहां के कार्य पंजाबी पद्धति से संपन्न किए जाते हैं. श्रद्धालु विशाल मेला क्षेत्र में अपने तीर्थ पुरोहितों के शिविर की पहचान उनके झंडे को देखकर करते हैंऔर फिर वहां पहुंचते हैं। देश-विदेश से यहां पहुंचने वाले लाखों श्रद्धालु पूजा-पाठ और दान-पुण्य के लिएअपने पुरोहितों के पास जाते हैं। पुराहितों के पास पहुंचने के लिए न तो उन्हें फेन करते हैं और न ही किसी से पूछते हैं। श्रद्धालु अपने धर्म पुरोहितों के शिविर के झंडे को पहचान कर आसानी से वहां पहुंच जातेहैं। श्रद्धालुओं के लिए नाम या मोबाइल नम्बर का खास महत्व नहीं है। वे अपने-अपने पुरोहितों के शिविर के झंडे पहचानते हैं और उसी को देखकर इस भव्य मेला क्षेत्र में अपने पुरोहित को आसानी से ढूंढ लेते हैं। महाकुंभ मेला क्षेत्र में एक हजार से अधिक धर्म पुरोहितों के शिविर हैं। लेकिन सभी के झंडे अलग-अलग हैंऔर श्रद्धालु उन्हीं के जरिए उनकी पहचान करते हैं। किसी पुरोहित के झंडे का निशान राधा-कृष्ण, किसी का मर्यादा पुरोचोत्तम राम, किसी का हाथी-घोड़ा, किसी का शेर, किसी का गिश्तूल, किसी का सूर्य, किसी का कलश, किसी का सिपाही है। हर श्रद्धालु को अपने धर्म पुरोहित के झंडे का निशान पता है। धर्म पुरोहितों के झंडे के निशान वर्षों पुराने हैं और वे उसे कभी बदलनेका जोखिम नहीं उठाते, क्योंकि इससे उनके जजमानों को उन तक पहुंचने में मुश्किल होगी। धर्म के संदर्भ में, सर्वमान्य कथन है- ‘धर्मों रक्षित रक्षत.’। धर्म उसकी रक्षा करता है, जो धर्म की रक्षा करते हैं। यह सजग समाज के संदर्भ में और भी सटीक है। समाज की उन्नति तभी है, जब वह विधिमान्य नीतियों

का पालन करे यानि समाज धर्म ध्वजा का अनुसरण करे। भारतीय इतिहास में मुगलकाल एक ऐसा ही चुनौती भरा कालखण्ड था। अराजकता, अत्याचार, तलवार के बल पर मतांतरण और महिलाओं के साथ दुराचार चरम पर था। इन मुगलिया अत्याचारों से लड़ने में अखाड़ों ने महती भूमिका निभायी थी। जब औरंगजेब ने वाराणसी का काशी विश्वनाथ मंदिर और मथुरा का केशवराय मंदिर तुड़वाया, वीर छत्रपति शिवाजी के राज्य को हड़पने का प्रयास किया, हिन्दुओं पर जजिया कर लगाया तो इन अखाड़ों ने ही मुखर होकर अपनी धर्म रक्षा के लिए वीरोंप किया था।

प्रयागराज महाकुंभ मेला 2025 एक ऐसा आयोजन है जो श्रद्धा, आस्था, और भारतीय संस्कृति का परिचायक है। यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि विश्वभर से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए एक आध्यात्मिक यात्रा है। यह मेला भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का ऐसा विशाल दृश्य प्रस्तुत करता है जो अनंत काल तक लोगों के दिलों में बसेगा। महाकुंभ मेले में देशभर के मधुर अखाड़ों की भागीदारी होती है, जो इस आयोजन की शोभा को और बढ़ाते हैं। महाकुंभ मेला में चारों दिशाओं से श्रद्धालु एकत्रित होते हैं, जो पवित्र गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम में स्नान कर

अपने पापों से मुक्ति की आशा रखते हैं। इस महोत्सव में संगम पर स्नान करना और साधु-संतों का दर्शन करना अत्यंत शुभ माना जाता है।

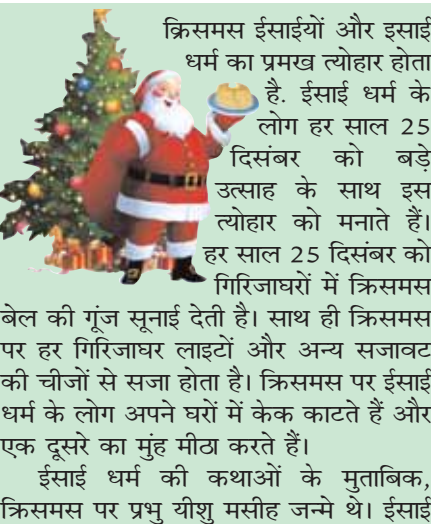
महाकुंभ की धार्मिक और सांस्कृतिक महता

महाकुंभ मेला न केवल धार्मिक आस्था का संगम है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और परंपराओं का भी प्रतीक है। यहाँ विभिन्न संप्रदायों के साधु-संतों का मिलन होता है और धर्म की ध्वजा लहराते हुए वे अपने अनुयायियों को सन्मार्ग पर चलने का संदेश देते हैं। महाकुंभ मेले में सनातन धर्म के विभिन्न अखाड़ों के साधु, संत, नाग संन्यासी, और महामंडलेहरु अपने शिविरों में प्रवास करते हैं और यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं के मार्गदर्शन भी होते हैं।

कुंभ मेले का पौराणिक इतिहास

कुंभ मेले की उत्पत्ति समुद्र मंथन की पौराणिक कथा से जुड़ी हुई है। मान्यता है कि देवताओं और असुरों ने अमृत प्राप्त करने के लिए समुद्र मंथन किया, जिससे अमृत कलश प्रकट हुआ। अमृत को लेकर देवताओं और असुरों के बीच युद्ध छिड़ गया। इस संघर्ष के दौरान भगवान विष्णु ने अपने वाहन गरुड़ को अमृत के घड़े की सुरक्षा का दायित्व सौंपा। गरुड़ जब अमृत कलश लेकर आकाश मार्ग से उड़ान भर रहे थे, तब अमृत की कुछ बूँदें पृथ्वी पर चार स्थानों–प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन, और नासिक–पर गिरीं। ये स्थान तब से पवित्र माने जाते हैं, और यही कारण है कि हर 12 साल में इन स्थानों पर कुंभ मेले का आयोजन होता है। कहा जाता है कि देवताओं और असुरों के बीच 12 दिवसीय युद्ध हुआ, जो मानव समय के अनुसार 12 वर्षों के बराबर है। इसी पौराणिक संदर्भ के कारण हर 12 वर्ष में कुंभ मेले का आयोजन किया जाता है, जो आध्यात्मिकता, आस्था और भारतीय संस्कृति का अद्वितीय संगम है।

यीशु के जन्म प्रकाश का प्रतीक क्रिसमस



धर्मिक मान्यताओं के अनुसार, प्रभु यीशु बैथलेहम में मैरी और जोसेफ के घर जन्मे थे। पहली बार 221 ई. में सेक्सटस जुलियस अफ्रीकानस ने ये फैसला किया था कि 25 दिसंबर को जोसस क्राइस्ट का जन्मदिन मनाया जाएगा। तब से ही 25 दिसंबर को विश्व भर में क्रिसमस मनाया

जाता है। क्रिसमस से सैंटा क्लॉज कनेक्शन सैंटा क्लॉज का असली नाम सांता निकोलस है। इस कहानी की शुरुआत 280 ई. में होती है. सांता अपनी मिसेज क्लॉज के साथ उत्तरी ध्रुव पर निवास करते थे. वो बहुत खुशामियाज व्यक्ति थे। उनका मन दया का सागर था. सांता निकोलस लोगों और बिमारों की सहायता के लिए चुमा करते थे। यही नहीं उन्होंने गरीबों

और वंचितों की सहायता में अपनी पूरी संपत्ति का उपयोग कर दिया। सांता ने अपनी पूरी संपत्ति अपनी तीन बहनों के देहेज में दे दी। उन्होंने उत्तरी ध्रुव पर निवास करने वाले लोगों की खूब सहायता की वो लोगों को गिफ्ट दिया करते थे। माना जाता है कि वो एक महान और दया से भरे हुए व्यक्ति थे। इसी वजह से सैंटा का क्रिसमस से जुड़ाव बताया जाता है। प्रभु यीशु ने भी सबकी मदद की थी। सूली पर पर चढ़ते वक्त भी वो सिर्फ लोगों के लिए दुआ मांग रहे थे।



QUIZ TIME

1) एम्नियोसेन्टेसिस किसकी विधि का नाम है?

2) हाल ही में अडानी समूह किस देश के दार एस सलाम बंदरगाह का प्रबंधन करेगा?

3) प्रति वर्ष विश्व तम्बाकू निषेध दिवस कब मनाया जाता है?

4) बाबरनामा का अंग्रेजी अनुवाद किसने किया था?

5) ओडिशा के मगुनी चरण कुआ का संबंध किससे है जिनका हाल ही में हुआ?



Ramaquiz



ज्योतिषाचार्य वासुदेवशेखर अग्रवाल देवराज कुन्नी

झगाफा होगा।

वृष : आज का दिन आपके लिए मान सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपके परिवार में वरिष्ठ सदस्यों में किसी बात को लेकर मनमुटाव चल रहा था, तो वह भी दूर होगा। मिथुन: आज का दिन आपके लिए आध्यात्म कार्यों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। आपको कोई भी अच्छा मौका अपने हाथ से जाने नहीं देना है।

कर्क : आज का दिन आपके लिए सुखानुमा रहने वाला है। आपकी सोच समझ से सभी काम पूरे होंगे। परिवार में किसी शुभ व मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। सिंह: आज का दिन आपके लिए मिलानुला रहने वाला है। किसी खास व्यक्ति से मुलाकात होगी। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को अपने कामों पर पूरा ध्यान देना होगा। कन्या: आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आप अपने दैनिक सख्यों पर पूरा ध्यान दें। तुला: आज का दिन आपके लिए तनावग्रस्त रहने वाला है। आपको अपनी दैनिक गतिविधियों पर पूरा ध्यान देना होगा।

वृश्चिक: आज का दिन आपके लिए बिजनेस में चल रही समस्याओं से छुटकारा दिलाने वाला रहेगा। धनु: आज का दिन आपके लिए मिलानुला रहने वाला है, जो युवा रोजगार को लेकर परेशान चल रहे हैं, उन्हें कोई अच्छा अवसर हाथ लगेगा। मकर: आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरपूर रहने वाला है। आप अपने पारिवारिक मामलों पर पूरा ध्यान दें। कुंभ: आज का दिन आपके लिए निवेश संबंधी मामलों में बेहतर रहने वाला है। आपको उनमें अच्छा लाभ मिलने की संभावना है। मीन: आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है।

शब्द सागर

शब्द सामर्थ्य •									
(भागवत साहू)									
बाएं से दाएं					अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चखें से लगी सलाई 19. एक शरीरिक कोमलता, सुकुमारता 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।				
1. तुड़ुई पर के बाल, तुड़ुई, ठोड़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. शरीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, मूल्य, दाम					संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कार्रों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादर 9. शोभा, सुंदरता, वसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशकारी 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 प. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उल्टाहना, म्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मूंठ से निकलने वाला धूक जैसा पदार्थ।				
कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, मूल्य, दाम					जंगल में लगी आग, दावागिन 2. स्वतंत्र, स्वाधीन				

1		2		3		4			
	5								
6				7	8			9	
			10						
	11				12				
13			14	14A					
		15				16			
					17			18	
	19			20					

भाजपा ने की नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों की घोषणा

कांकर मंडल अध्यक्ष बने दिनेश रजक

कांकर/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी ने जिला के नवनियुक्त मण्डल अध्यक्षो का घोषणा कर दिया है।कांकर दिनेश रजक कांकर ग्रामीण - कमलेश उसेंडी सरोना टेकेश्वर सिन्हा धनेलिकन्हार डाकेश साहू हाराडुला हेम मंडावी दुर्गकोंडल बिंदे सिंह कछ्हे आमाबेड़ा मनोहर यादव बांदे सुनीता मण्डल कोरर - पीयूष कश्यप नरहरपुर संतोष भास्कर कापसी अजय बछर परखांजूर दीपकर रॉय कोयलीबेड़ा लछू राम गावड़े अंतगढ़ महेश उड्के को बनाया गया है।

सुशासन का एक साल थीम पर बांटे सहायक उपकरण



कांकर/नवप्रदेश। राज्य शासन के सुशासन के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कलेक्टर श्री नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में दिव्यांग एवं वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया। जिला कार्यालय परिसर में आज कलेक्टर एवं मत्स्य विकास बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष श्री भरत मटियारा और जनपद पंचायत कांकर के अध्यक्ष श्री रामचरण कोराम की उपस्थिति में दिव्यांगजनों को बैट्रीचलित ट्राईसाइकिल, छड़ी आदि प्रदान किया गया।

उप संचालक समाज कल्याण ने बताया कि बैटरीचलित ट्राईसायकल के वितरण पर कलेक्टर द्वारा संतोष व्यक्त किया गया एवं दिव्यांगजन के कल्याण को दृष्टिगत रखते हुए अधिक से अधिक पात्र दिव्यांगजनों को बैटरीचलित साइकिल व सहायक उपकरण आदि प्रदाय करने हेतु निर्दिशित किया।

समाज कल्याण विभाग ने किया दिव्यांगजनों और वरिष्ठजनों का सम्मान



कांकर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन समाज कल्याण विभाग के निर्देशनुसार सरकार के गठन के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिले के दस दिव्यांगजन को उनके आवेदन के आवेद शाल-जीफ्त, फूल माला से कलेक्टर महोदय कांकर श्रीनीलेश कुमार क्षीर, जनप्रतिनिधिगण जी भरत मटियारा पूर्व मत्स्य बोर्ड अध्यक्ष, श्रीराम चरण कोराम , सम्मानित किया गया एवं सहायक उपकरण बैट्री ट्राई साइकिल, छड़ी आदि वितरण प्रदाय किये गये। साथ ही शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधिनार्थ विद्यालय कोदभाट कांकर में 52 दिव्यांग छात्रों को तिलक लगाकर उपहार भेंट किया गया एवं दिव्यांग शिक्षको का सम्मान किया गया ।

विजय दिवस एवं गौरव माह के उपलक्ष्य में जिले के भूतपूर्व सैनिक जुटे

भूतपूर्व सैनिकों व परिजनों की बेहतरी के लिए जिला प्रशासन हरसंभव प्रयास करेगा : कलेक्टर

शहीदों के परिजनों को शॉल एवं सम्मान पत्र भेंटकर किया सम्मानित

कांकर/नवप्रदेश। सशस्त्र सेना झंडा दिवस के उपलक्ष्य में जिले के भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके परिजनों का सम्मेलन आज कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर एवं सभी सैनिकों को सशस्त्र सेना झंडा दिवस का ध्वज प्रतीक लगाया गया। इस अवसर पर कलेक्टर ने सभी भूतपूर्व सैनिकों एवं परिजनों को संबोधित करते हुए कहा कि सैनिकों की मुसैदी, सजगता और कठोर सेवा की वजह से देश सुरक्षित रहता है। यहां सभाकक्ष में कुछ ऐसे पूर्व सैनिक भी मौजूद हैं, जिन्होंने 1971 और कारगिल युद्ध में हिस्सा लिया है, जो इस जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने आगे कहा कि जिले में निवासरत



भूतपूर्व सैनिकों व उनके परिजनों के कल्याण एवं बेहतरी के लिए जिला प्रशासन हर संभव मदद और प्रयास करेगा। कलेक्टर ने कहा कि जिले की सैनिकों की वीरता की कहानी के बारे में आने

वाली पीढ़ी को भी जानकारी हो। इसके लिए पुस्तक प्रकाशित की जानी चाहिए, जिससे वे रक्षा क्षेत्र में सेवाएं देने के लिए प्रेरित व प्रोत्साहित हों। इस दौरान कलेक्टर ने सैनिकों के कल्याण के

लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी दी। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर ने शहीद स्वर्गीय श्री गणेशराम सेना मेडल की माता श्रीमती जागेश्वरी बाई, शहीद

सुबेदार मेजर श्री हरिराम तारम की पत्नी श्रीमती कुन्ती तारम और शहीद श्री मोती राम की पत्नी श्रीमती पद्मावती को शॉल और सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही सशस्त्र सेना झण्डा दिवस में सर्वाधिक राशि देने वाले एसपी श्री इंदिरा कल्याण एलेसेला, जिला पंचायत सीईओ श्री हरेश मंडावी और खनिज अधिकारी को प्रतीक-चिन्ह देकर सम्मानित किया।जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन (आई.एन.) श्री संजय शुक्ला एन.एम. (से.नि.) ने बताया कि हमारी सशस्त्र सेनाएं हमारे देश की रक्षा कठिन परिस्थितियों में करती हैं। देश की रक्षा करते हुए बहुत से जवानों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया या घायल हुए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि भारत सरकार वीर नारियों, घायल सैनिकों तथा उनके परिजनों की सहायता के लिए 07 दिसम्बर को सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाती है।

हत्या का आरोपी गिरफ्तार

आपसी रंजिश के चलते आरोपी ने महिला पर डण्डा से वार कर उतारा मौत के घाट



बोलकर अपने साथ मे लाये कोसुम लगा है कि रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध के डण्डा से प्राण घातक हमला कर कर विवेचना में लिया गया। गंदी गंदी गाली गलौच कर जोर जोर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कांकर से मारपीट किया है जिससे गंभीर चोट आई. के. एंलिसेलानके निर्देशन में

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में मे थाना प्रभारी निरीक्षक दिलेश्वर चन्द्रवंशी के नेतृत्व मेंआरोपी पता तलाष कर आरोपी तुलसी राम मण्डावी पिता सुदधुराम मण्डावी निवासी खैरवाही को हिरासत में लेकर पृछताछ पर अपराध घटित करना स्वीकार करने पर विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया है।

संपूर्ण कार्यवाही में निरीक्षक दिलेश्वर चन्द्रवंशी सजिन भकेश पटेल आर0 रामेश्वर कोडोपी आर0 अनिल जैन का सराहनीय योगदान रहा है।

संकुल प्राचार्य ने बालक आश्रम किसकोडो का किया निरीक्षण

अंतगढ़/नवप्रदेश। बालक आश्रम किसकोडो, प्राथमिक/माध्यमिक शाला किसकोडो का औचक निरीक्षण आदरणीय श्री संजय कुमार ठकुर सर खंड शिक्षा अधिकारी ,श्री केके नाग सर बी आरसी सी ,साक्षर भारत कार्यक्रम का नोडल श्रीउड्के सर,श्री देहारी सर तथा संकुल प्राचार्य श्री विजय कुमार यादव के द्वारा किया गया सभी संस्था प्रमुख एवं शिक्षक को शिक्षा गुणवत्ता में सुधार हेतु कम अच्छे बच्चे को चिन्हाकित करते हुए रिमेंडियल क्लास लेकर कक्षा अनुरूप लाने को कहा तथा अपार आईडी बच्चों का शत प्रतिशत बनाने के लिए दिशानिर्देश देते बताया गया और नहीं बनने के कारण सहित सूची संकुल समन्वयक के माध्यम से ब्लाक में जमा, शिक्षक डायरी डेली संधारण अध्यापन के अनुरूप संधारित हो, छात्रवृत्ति, गणवेश वितरण की बच्चों तथा शिक्षक से जानकारी ली गई तथा शाला समय पर उपस्थित हो कर शाला संचालित इत्यादि विषयों पर दिशानिर्देश दिया गया।

प्रथम पेज का शेष

नान घोटाळा : सीबीआई करेगी जांच, साय ...

पूर्व महाधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा के खिलाफमामला दर्ज किया गया।

कुवैत पहुंचे पीएम मोदी, भारतीय ...

चलन में था।

पश्चिम एशियाई देशों पर मोदी सरकार का विशेष फोकस

पीएम मोदी की सरकार में पश्चिम एशिया पर खासा फोकस किया गया है। प्रधानमंत्री के कुवैत दौरे को भी उसी नीति से जोड़कर देखा जा रहा है। पीएम मोदी अब तक 13 बार विभिन्न अरब देशों की यात्राएं कर चुके हैं, जिनमें यूएई, कतर, सऊदी अरब, ओमान और बहरीन शामिल हैं।

कजान में 9/11 जैसा हमला कई ...

कजान में डोना हमले किए गए हैं। रूसी रक्षा मंत्री ने दावा किया है कि उनके बलों ने 12 यूक्रेनी ड्रोन्स को तबाह किया है। यूक्रेनी मीडिया का दावा है कि बीती रात रूस के रोस्तोव में भी दो तेल डिपो में आग लगने की घटना हुई। यह आग भी कथित यूक्रेनी ड्रोन हमले के चलते लगी।

रूस का आर्थिक पावर हाउस है कजान शहर

बीते अक्तूबर में ही कजान शहर ब्रिक्स सम्मेलन के चलते दुनिया भर में चर्चा में रहा था। रूस ने कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन किया था। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उस ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल हुए। कजान का रूस के इतिहास में अहम स्थान है और ये शहर रूस के उद्योग, संस्कृति और धर्म का प्रमुख केंद्र है। इसे रूस की तीसरी राजधानी या खेल राजधानी भी कहा जाता है। रूस, कजान में कई अंतरराष्ट्रीय खेल कार्यक्रमों की मेजबानी कर चुका है। आर्थिक रूप से कजान एक पावर हाउस है। यह शहर रूस के प्रमुख टूक निर्माता कामाज का घर है और यात्री हवाई जहाज और हेलीकॉप्टर के उत्पादन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कजान के इंजीनियरिंग, कपड़ा और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग काफी समृद्ध हैं।

अब पूर्वोत्तर में पुलिस के दृष्टिकोण में बदलाव...

के 72वें अधिवेशन को संबोधित करते हुए अमित शाह ने ये बात कही।

केंद्र ने पूर्वोत्तर के विकास पर हजारों करोड़ रुपये खर्च किए

गृह मंत्री ने यह भी कहा कि केंद्र ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेल संपर्क के लिए 81,000 करोड़ रुपये

और सड़क नेटवर्क के लिए 41,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। इसके अलावा, केंद्र सरकार इस क्षेत्र में जैविक खेती पर ध्यान केंद्रित कर रही है। शाह ने कहा कि केंद्र ने इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए पहले ही राष्ट्रीय जैविक निगम लिमिटेड का गठन किया है। मैं सभी मुख्यमंत्रियों (पूर्वोत्तर में) से आग्रह करता हूँ कि वे जैविक उत्पादों की पैकेजिंग, विपणन और निर्यात के लिए एनओसीएल के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करें।

आप का दलित छात्रों ..

को संबोधित करते हुए आप संयोजक केजरीवाल ने डॉ. आंबेडकर सम्मान स्कॉलरशिप योजना का एलान किया। उन्होंने कहा कि जो दलित छात्र विदेश में पढ़ना चाहते हैं उनका सारा खर्चा हमारी सरकारी उठाएगी। इसके लिए हम डॉ. आंबेडकर सम्मान स्कॉलरशिप शुरू करेंगे। दलित समाज का कोई भी बच्चा पैसे की कमी के कारण उच्च शिक्षा से वंचित ना रहे, इसके लिए डॉ. अंबेडकर सम्मान स्कॉलरशिप दी जाएगी। दलित समाज के बच्चों का विदेश में पढ़ने का सपना होगा साकार। आप ने नई योजना की घोषणा के साथ भाजपा पर बोला हमला

आप ने डॉ. आंबेडकर सम्मान स्कॉलरशिप योजना का एलान करते हुए भाजपा पर तंज कसा है। एक्स अकाउंट पर भाजपा वालों, तुम बाबा साहेब को गाली दो, मैं उन्हें सम्मान दूंगा। बाबा साहेब को यह मेरी श्रद्धांजलि है। अरविंद केजरीवाल ने भी इस पोस्ट को अपने एक्स अकाउंट पर साझा किया है।

मध्यप्रदेश वर्ष-2025 तक

में व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए उद्योग, कारखानों, ईंट भट्टों और सघन बस्तियों में विशेष टीबी जांच अभियान भी चलाया जा रहा है। जनकल्याण अभियान के साथ चलेगा टीबी उन्मूलन अभियान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के साथ ही 40 दिन का विशेष अभियान चलाया जाएगा, जिसमें टीबी परीक्षण और उसके उपचार के संबंध में भी व्यापक जानकारी देकर के साथ निक्षय मित्र बनाए जा रहे हैं। आगामी 26 जनवरी तक चलने वाले जनकल्याण अभियान में टीबी मुक्त बनाने के लिए मध्यप्रदेश में पूरी ताकत के साथ कार्य किया जाएगा।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वाण पर भारत को

वर्ष 2025 तक टीबी मुक्त बनाना है। इसके लिए सभी राज्य अपने स्तर पर कार्य करें। देश के 347 जिलों में टीबी के मरीज मिल रहे हैं, ऐसे लोगों का व्यापक रूप से परीक्षण करें। उनके उपचार, स्वास्थ्य और पोषण की व्यवस्था के साथ ज्ञान-जागरुकता के लिए व्यापक प्रचार-प्रचार किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री नड्डा ने कहा कि रोगियों की टैस्टिंग करें और उनके समुचित उपचार की सुविधा शुरू करें। इसके लिए व्यापक स्तर पर प्रचार अभियान के साथ कार्य-योजना बनाकर कार्य किया जाए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा ने भी विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव डोंगला वराहमिहिर वेधशाला में आयोजित खगोल विज्ञान एवं भारतीय ज्ञान परंपरा पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को उज्जैन से वर्चुअल संबोधित कर रहे थे। उज्जैन में जिले के प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल ने सभी का अभिवादन किया। एसीएस श्री संजय दुबे ने संगोष्ठी के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। डोंगला में डीआरडीओ के प्रतिनिधि डॉ. सुधीर कुमार मिश्रा ने डोंगला वेधशाला के विकास में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के सहयोग एवं मार्गदर्शन से अवगत कराया। कुलगुरु विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन प्रो. अपर्ण भारद्वाज ने सभी का आभार माना।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत प्राचीन काल से ही ज्ञान का उद्गम स्थल रहा है। भारत ने विश्व गुरु की भूमिका निभाते हुए हमेशा विश्व को रास्ता भी दिखाया है। हमारी प्राचीन परंपराओं ने विश्व को नई दिशा दिखाई है अणु-परमाणु की व्याख्या, बर्हमांड के रहस्य,पेड़-पौधों में जीवन का सिद्धांत, सब हमारे दर्शन से ही लिया गया है। हमारे पंचांग इतने सटीक है कि वह आज भी सूर्य और चंद्र ग्रहण का सटीक समय बताते हैं। भारत आध्यात्म, विज्ञान, खगोल, चिकित्सा जैसे कई क्षेत्रों में विश्व जगत का नेतृत्व करता रहा है। आज भी भारत पूरे विश्व के लिए आस्था का केंद्र बना हुआ है।

वीडियो कॉन्फ्रेंस के महत्वपूर्ण बिंदु और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी जिलों में अधिकारियों से टीबी रोग के नियंत्रण के संबंध में चर्चा की और आमजन और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करने को कहा।

अधिक से अधिक फूड बास्केट के वितरण एवं जन-भागीदारी के बारे में विचार- विमर्श किया गाया। निःश्रय मित्र बनने के लिए लोगों को प्रोत्साहित

किया जाए।

सभी प्रमुख व्यक्तियों, सैलिब्रिटीज, औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों और स्वेचिच्छक संगठनों की भागीदारी बढाई जाए।

आईईसी गतिविधियों और सोशल मीडिया के उपयोग से -टीबी हारेगा-देश जीतेगा- की थीम पर निरंतर कार्य करने पर सहमति हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वरिष्ठ अधिकारियों एवं सभी जिलों के अधिकारियों को प्रदेश में टीबी उन्मूलन के प्रयास बढ़ाने को कहा और अन्य महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

एमपी के देवास में सिलेंडर

पर स्टोर करके रखा गया था, इसकी जांच जारी है।

सिंगल रास्ता होने से रेस्क्यू में आई दिक्कत नगर निगम दमकल विभाग के अभिनव चंदेल ने बताया कि सुबह 4-48 बजे नयापुरा क्षेत्र में आर्यन मिल्क कॉर्नर पर एलपीजी सिलेंडर ब्लास्ट होने की सूचना मिली थी। मौके पर हमारी तीन फायर ब्रिगेड पहुंचीं। रेस्क्यू कर एक पुरुष, एक महिला और दो बच्चों का शव निकाला। सिंगल रास्ता होने से इसमें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

रास्ते पर मलबा पड़ा होने से आग बुझाने और रेस्क्यू कार्य में दिक्कत हुई। मिल्क कॉर्नर में ब्लास्ट हुआ एलपीजी सिलेंडर वहां मिला है। मौके पर अन्य एलपीजी सिलेंडर भी रखे थे। पहली मॉजिल पर भी डेरी प्रोडक्ट भी रखे हुए थे। पड़ोसी राजेश गोयल ने बताया, सुबह करीब 5 बजे पता चला कि दुकान के पास आग लगी है। मैं तुरंत घर से मौके लिए रवाना हुआ। शालिनी रोड पर फायर ब्रिगेड खड़ी थी। मुझे लगा यहां भी आग लगी होगी। मुझे फायर कर्मियों ने बताया कि उन्हें नयापुरा की लोकेशन नहीं पता है। इसमें उनकी लापरवाही दिखती है।

पिछले 7 साल से डेयरी संचालित कर रहे थे दिनेश कारपेंटर मूल रूप से देवास जिले के बजेपुर गांव विजयागंज मंडी रोड के रहने वाले थे। वह नयापुरा में पिछले डेढ़ साल से पत्नी और दो बच्चों के साथ किराए से रह रहे थे। करीब 7 साल से दूध डेयरी संचालित कर रहे थे। बेटी इशिका चौथी और चिराग पहली कक्षा में थे।

एक साथ उठी चार अर्थी, गमगीन हुआ गांव देवास में पोस्टमार्टम के बाद चारों के शव पैतृक गांव बजेपुर ले जाए गए। जहां पर सभी का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया। एक साथ चार अर्थी उठी। जिसे देखकर पूरा गांव गमगीन हो गया। देवास एसडीएम बिहारी सिंह ने बताया कि मृतकों के परिजन को शासन की तरफ से 16 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा।

नाबालिग को झूठे प्यार में फंसाकर किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार



कांकर/नवप्रदेश। नाबालिग को बहला फुसलाकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को चारामा पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

चारामा पुलिस से मिली जानकारी अनुसार 25 नवंबर 2024 को थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि नाबालिग पुत्री घर से बिना बताये की चली गयी है जिसका आस पडोस रिस्तेदारों में पता तलाश किया जिसका कोई पता नही चला है कोई अज्ञात व्यक्ति नाबालिग पुत्री को बहला फुसला कर अपहरण कर ले गया है कि रिपोर्ट पर गुम इंसान क्रमांक 51/24 एवं अपराध क्रमांक 162/2024 धारा 137(2) बी.एन.एस. कायम कर विवेचना में लिया गया ।

मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कांकर आई.के.एलिसेलाके निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिन्हा (रा.पु.से.) के मार्गदर्शन में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कांकर मोहसीन खान (रा.पु.से.) के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी निरीक्षक दिलेश्वर चंद्रवंशी के नेतृत्व में नाबालिग अपहृता एवं अज्ञात आरोपी का पता तलाष के दौरान अपहृता धमतरी में होना पता चलने पर वरि0 कार्यालय के दिशा निर्देशन पर पुलिस टीम रवाना किया गया था नाबालिक अपहृता एवं संदेही का पता तलाष कर लाल बगीचा धमतरी से नाबालिग बालिका को भूषण सिन्हा

मिट्टी, मुरुम एवं रेत के अवैध परिवहन पर कड़ी कार्रवाई

रायपुर/नवप्रदेश। जिला प्रशासन मुगेली द्वारा जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, भंडारण एवं परिवहन के खिलाफ धड़-पकड़ एवं सख्त कार्रवाई का अभियान जारी है। बीते दिन शुक्रवार को मिट्टी, मुरुम और रेत का अवैध परिवहन के मामले में पांच वाहनों को जब्त किया गया है।

जिला खनिज अधिकारी श्रीमती ज्योति मिश्रा ने बताया कि प्रातः कालीन कार्रवाई के दौरान दो वाहनों को थाना जरहागांव मुगेली को सुपुर्द कर दिया है। इनमें वाहन क्रमांक सीजी 10 आर 0491 (चालक विकास कुमार साहू) और वाहन क्रमांक सीजी 11 एजी 0749 (चालक सुनील कुमार) द्वारा मुरुम और रेत का अवैध परिवहन किया जा रहा था।

इसके अलावा तीन अन्य वाहनों को खनिज एवं राजस्व विभाग की संयुक्त कार्रवाई में जब्त किया गया। इन वाहनों को रक्षित केंद्र, पुलिस लाइन मुगेली को सुरक्षा में रखा गया है। इन वाहन क्रमांक सीजी 28 एच 3430 (चालक करण यादव), सीजी 22 एबी 3446 (चालक विजय साहू), और सीजी 07 एबी 2935 (चालक राजकुमार यादव) द्वारा मिट्टी और मुरुम का अवैध परिवहन किया जा रहा था।

सभी जब्त वाहनों के विरुद्ध खनिज अधिनियम के प्रावधानों के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन की यह सख्त कार्रवाई खनिजों के अवैध दोहन और परिवहन पर कड़ाई से रोक लगाने के उद्देश्य से की जा रही है। कलेक्टर श्री राहुल देव ने खनिजों के अवैध उत्खनन और परिवहन में संलिप्त लोगों को सख्त चेतावनी दी है कि ऐसी गतिविधियों में लिप्त पाए जाने पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आम लोगों से खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन की सूचना जिला प्रशासन को देने की अपील की है।



न्यूज गैलरी

बिजली वितरण कंपनियां राज्यों पर वित्तीय रूप से बोझ बनीं

नई दिल्ली। आरबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि विभिन्न सुधार प्रयासों के बावजूद डिस्कॉम राज्यों के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। हालात बदलने के लिए, आरबीआई ने उत्पादकता में सुधार, ट्रांसमिशन और वितरण घाटे को कम करने और बिजली आपूर्ति की वास्तविक लागत के साथ टैरिफ को एडजस्ट करने जैसे उपायों के महत्व पर जोर दिया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बिजली वितरण कंपनियां (डिस्कॉम) राज्यों के लिए वित्तीय रूप से भारी बोझ बनी हुई हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि राज्य डिस्कॉम का कुल संचित घाटा 2022-23 तक 6.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो देश के सकल घरेलू उत्पाद का 2.4 प्रतिशत है। रिपोर्ट के अनुसार, बिजली वितरण कंपनियां (डिस्कॉम) राज्यों पर वित्तीय रूप से बोझ बनी हुई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि विभिन्न सुधार प्रयासों के बावजूद डिस्कॉम राज्यों के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। हालात बदलने के लिए, आरबीआई ने उत्पादकता में सुधार, ट्रांसमिशन और वितरण घाटे को कम करने और बिजली आपूर्ति की वास्तविक लागत के साथ टैरिफ को एडजस्ट करने जैसे उपायों के महत्व पर जोर दिया। आरबीआई की रिपोर्ट में पाया गया है कि राज्यों ने राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने में प्रगति की है।

मन्नापुरम पर 20 लाख का दंड; इंडसइंड पर 27.30 लाख जुर्माना

न्यूज डेस्क। आरबीआई ने जमा पर ब्याज दरों के नियमों के उल्लंघन के मामले में इंडसइंड बैंक पर 27.30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने 31 मार्च, 2023 तक निरीक्षण किया था। इसमें उसे बैंक की गलती मिली। इसके बाद कारण बताओ नोटिस भेजा। इसके बाद इंडसइंड बैंक पर जुर्माना लगाने का फैसला किया गया। अपने ग्राहकों को जानो यानी केवाईसी से जुड़े नियमों के उल्लंघन के मामले में आरबीआई ने मन्नापुरम पर 20 लाख रुपये का दंड लगाया है। मन्नापुरम की 31 मार्च, 2023 तक जांच की गई थी। इस जांच में केंद्रीय बैंक को खामी मिली। कंपनी ग्राहकों के पैन कार्ड का सत्यापन करने में विफल रही जिसके बाद उस पर जुर्माना लगाया गया है। बिहार बिजनेस कनेक्ट इन्वेस्टर समिट में अदाणी समूह के निदेशक प्रणव अदाणी ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की देखरेख में विकास का नया मोड़ल तैयार हुआ है। प्रणव ने कहा कि हमने तीन क्षेत्रों, लॉजिस्टिक्स, गैस डिस्ट्रीब्यूशन और एग्री-लॉजिस्टिक्स में, अब तक लगभग 850 करोड़ रुपये का निवेश किया है और प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से करीब 25,000 लोगों को रोजगार दिया है। अब हम इन क्षेत्रों में 2,300 करोड़ का अतिरिक्त निवेश करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे न केवल हमारी भंडारण और प्रबंधन क्षमता बढ़ेगी, बल्कि ईवी, सीजीडी और सीबीजी क्षेत्रों में भी उपस्थिति बेहतर होगी। साथ ही इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से करीब 27,000 अतिरिक्त रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

24 हजार करोड़ रुपये का विशेष पैकेज दे केंद्र सरकार

बिजनेस डेस्क। राजस्थान के जैसलमेर में बजट से पहले बैठक में केरल के वित्त मंत्री केएन बालगोपाल ने राज्य की नकदी की कमी को दूर करने के लिए 24,000 करोड़ रुपये के विशेष पैकेज की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने अधिक केंद्रीय वित्तपोषण की आवश्यकता पर भी जोर दिया। केरल ने शुक्रवार को अधिक केंद्रीय वित्तपोषण की आवश्यकता पर जोर देते हुए राज्य की नकदी की कमी को दूर करने के लिए 24,000 करोड़ रुपये के विशेष पैकेज की मांग की, इसके साथ ही वायनाड में राहत कार्यों के लिए 2,000 करोड़ रुपये की मांग की है। राजस्थान के जैसलमेर में बजट पूर्व बैठक में केरल के वित्त मंत्री केएन बालगोपाल ने राज्यों को जीएसटी मुआवजा योजना जारी रखने की भी मांग की, जब तक कि प्रणालीगत मुद्दे पूरी तरह से ठीक नहीं हो जाते और जीएसटी राजस्व का मूल वादा पूरा नहीं हो जाता। इस बैठक में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, अन्य राज्यों के वित्त मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। इस दौरान वित्त मंत्री केएन बालगोपाल ने कहा, हम मौजूदा नकदी संकट से निपटने के लिए 24,000 करोड़ रुपये के विशेष पैकेज की मांग दोहराते हैं।

*बुमराह हासिल कर सकते हैं एक और उपलब्धि

पिछले 10 वर्षों में एमसीजी पर एक भी टेस्ट नहीं हारा भारत

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय टीम ने इस मैदान पर 2014 से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कुल तीन मुकाबले खेले हैं और उसे दो में जीत मिली है, जबकि एक मैच ड्रॉ रहा है। वहीं, टैट कमिंस की अगुआई वाली टीम पिछले 10 वर्षों में एमसीजी पर भारत के खिलाफ जीत दर्ज नहीं कर सकी है। भारतीय टीम पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास को पीछे छोड़त हुए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट में उतरेगी। दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 1-1 की बराबरी पर चल रही है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बिसनेन के गाबा में खेला गया तीसरा टेस्ट मैच ड्रॉ रहा था और अब रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम को नजरें 26 दिसंबर से होने वाले चौथे टेस्ट के दौरान मेलबर्न पर जीत दर्ज कर सीरीज में बढ़त हासिल करने पर टिकी होगी। भारत को अगर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की फाइनल में जगह बनानी है तो उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगले दोनों मुकाबले जीतने होंगे। इस सीरीज में एक और हार उसके लिए डब्ल्यूटीसी फाइनल के दरवाजे बंद कर देगी। भारत ने विपरीत परिस्थितियों में जिस तरह तीसरा टेस्ट मैच ड्रॉ कराया उससे टीम के हौसले बढ़े हुए होंगे। भारत अगर चौथा मैच जीतने में सफल रही तो सीरीज गंवाने से बच जाएगी और

कारोबार

भारत की आपूर्ति श्रृंखला को बढ़ावा देने

350 मिलियन डॉलर के ऋण के लिए केंद्र सरकार व एडीबी के बीच समझौता

नई दिल्ली। भारत सरकार और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने शुक्रवार को स्ट्रेथेनिंग मल्टीमॉडल एंड इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम (स्माइल) प्रोग्राम के दूसरे उपप्रोग्राम के तहत घरेलू विनिर्माण क्षेत्र को मजबूत करने और आपूर्ति श्रृंखला में सुधार करने को 350 मिलियन डॉलर के ऋण के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार, स्माइल कार्यक्रम भारत में लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में व्यापक सुधार करने में सरकार का समर्थन करने के लिए एक प्रोग्रामेटिक नीति-आधारित ऋण (पीबीएल) है।इस दृष्टिकोण में दो उपकार्यक्रम शामिल हैं। इनका उद्देश्य भारत के विनिर्माण क्षेत्र का विस्तार करना और इसकी आपूर्ति श्रृंखलाओं के लचीलेपन में सुधार करना है।मंत्रालय ने एक बयान में कहा, भारत सरकार और एडीबी के बीच सहयोग



लिए स्मार्ट सिस्टम अपनाने के लिए है।मंत्रालय के अनुसार, भारत के लॉजिस्टिक्स वेयरहाउसिंग और अन्य लॉजिस्टिक्स संघर्षितियों को मानकीकृत करने में भी मदद करता

है। रणनीतिक नीति सुधारों, बुनियादी ढांचे के विकास और डिजिटल एकीकरण के माध्यम से, चल रहे सुधार लॉजिस्टिक्स परिदृश्य को बदलने के लिए तैयार हैं। इस परिवर्तन से लागत कम होने, दक्षता में सुधार, रोजगार के पर्याप्त अवसर पैदा होने और लैंगिक समावेशन को बढ़ावा मिलने-स्थायी आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

गुरुवार को, सरकार और एडीबी ने महाराष्ट्र में स्थानीय समुदायों और प्राकृतिक पारिस्थितिकी प्रणालियों की लचीलापन बढ़ाने के लिए तटीय और नदी तट सुरक्षा प्रदान करने के लिए 42 मिलियन डॉलर के ऋण पर हस्ताक्षर किए। एडीबी द्वारा प्रदान किया जाने वाला कर्ज महाराष्ट्र की तटरेखा को बहाल करने और स्थिर करने और तटीय समुदायों की आजीविका की रक्षा करने में मदद करेगा।

एमएसपी में बढ़ोतरी सरकार के उस फैसले के अनुसार की गई है

कैबिनेट में 2025 सीजन के लिए कोपरा का एमएसपी बढ़ाकर की 12,100 रुपये प्रति क्विंटल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई अर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने बड़ा फैसला लिया है। समिति ने शुक्रवार को 2025 विपणन सत्र के लिए उचित औसत गुणवत्ता वाले मिलिंग कोपरा का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाकर 11,582 रुपये प्रति क्विंटल और बॉल कोपरा का एमएसपी बढ़ाकर 12,100 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया। आधिकारिक बयान के मुताबिक, एमएसपी में बढ़ोतरी सरकार के उस फैसले के अनुसार की गई है, जिसके तहत फसलों के लिए एमएसपी अखिल भारतीय भारत औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर तय किया जाएगा। बयान में कहा गया है, सरकार ने विपणन सत्र 2014 के लिए मिलिंग कोपरा और बॉल कोपरा के एमएसपी को 5,250 रुपये प्रति क्विंटल और 5,500 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर विपणन सत्र 2025 के लिए 11,582



रुपये प्रति क्विंटल और 12,100 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है। यह क्रमशः 121 प्रतिशत और 120 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

उच्च एमएसपी से न केवल नारियल उत्पादकों को बेहतर लाभ सुनिश्चित होगा, बल्कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नारियल उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए किसानों को कोपरा उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन भी मिलेगा।बयान में कहा गया है कि मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत कोपरा और छिलका रहित नारियल की खरीद के

लिए, भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (नेफेड) और राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ) केंद्रीय नोडल एजेंसियों (सीएनए) के रूप में कार्य करना जारी रखेंगे। केंद्र की खरीद का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसानों को लाभकारी मूल्य मिले और उपभोक्ताओं, विशेष रूप से समाज के कमजोर वर्गों को सस्ती कीमत पर वितरण हो।केंद्र सरकार खाद्य सुरक्षा और मूल्य स्थिरता के लिए वफर स्टॉक रखती है। इसी तरह, केंद्र सरकार एफसीआई और राज्य एजेंसियों के

क्रिसमस से पहले शेयर बाजार में मंदी

बैलेंस निवेश रणनीति अपनाने का सही समय



मुंबई। वैश्विक स्तर पर बिकवाली के बीच इस हफ्ते भारतीय बेंचमार्क सूचकांकों में 5 प्रतिशत की गिरावट आई, जिसके लिए अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा आगले साल ब्याज दरों में कटौती के लिए सतर्कता बरतना भी एक बड़ा कारण रहा। इसके परिणामस्वरूप विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा लगातार बिकवाली की गई। इस सप्ताह पांच में से तीन कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स में 1,000 से अधिक अंकों की गिरावट आई और बीएसई में लिस्टेड फर्मों से लगभग 17 लाख करोड़ रुपये का बाजार पूंजीकरण खत्म हो गया। बाजार के जानकारों के अनुसार, यह इच्छिटी बाजारों के लिए एक बेहद खराब सप्ताह रहा, क्योंकि प्रमुख सूचकांकों में तेज गिरावट आई, जिससे पिछले चार हफ्तों की बढ़त खत्म हो गई। एंजेल वन के ओशो

कृष्ण ने कहा, बेंचमार्क सूचकांक में इस गिरावट के साथ पिछले सप्ताह के बंद आंकड़े से लगभग 1,200 अंक नीचे आ गया। परिणामस्वरूप, यह सप्ताह 200 सरल मुविंग एवरेज (एसएमए) से नीचे समाप्त हुआ, जो लगभग 5 प्रतिशत की कुल हानि को दर्शाता है। निफ्टी50 में तेज गिरावट देखी गई, सूचकांक ने सभी समर्थन स्तरों को तोड़ दिया। इस नीचे की ओर गति ने सूचकांक को अपने सबसे हालिया स्विंग लो के करीब पहुंचा दिया है, जो बाजार में अस्थिरता का संकेत देता है। कृष्ण ने आगे कहा, तकनीकी दृष्टिकोण से, निफ्टी सूचकांक 200 एसएमए के महत्वपूर्ण क्षेत्र से नीचे फिसल गया, इसलिए अगला संभावित समर्थन हाल ही में 23,200-23,100 के आसपास के स्विंग लो के आसपास देखा जा सकता है।

यूबीआई का वित्तीय जागरूकता और कृषि ऋण शिविर आयोजित

रायपुर/नवप्रदेश। कृषि हमारे देश की अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी मानी जाती है। इससे लाखों लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रोजगार मिलता है। ऐसे में देश के किसानों को सही समय पर खाद, बीज और अन्य सामान मिल सके इसमें बैंकिंग सेक्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, बैंकों का उद्देश्य किसानों का हित होता है। इसी कड़ी में क्रमशः चेतना, गैवरा, चांपा एवं गोंडी शाखा में वित्तीय जागरूकता एवं कृषि ऋण शिविर का आयोजन किया गया। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और भारतीय आबादी के एक बड़े हिस्से को रोजगार और आजीविका प्रदान करता है। छोटे किसानों की आय बढ़ाना एक चुनौती बनी हुई है। इसके लिए आधुनिक निवेश वस्तुओं की आसान पहुंच और फिर सबसे अधिक पारिश्रमिक बाजारों में उन उपजों को



बेचने के लिए उपयुक्त उपायों की आवश्यकता है। मूल्य श्रृंखला के साथ उचित लागत पर संस्थागत ऋण एक ऐसा उत्प्रेरक साधन है, जो कड़े जीविका किसानों को व्यावसायिक किसानों में परिवर्तित करके इस प्रक्रिया को सुगम बना सकता है। फिर वे फल और सब्जियां जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों की खेती से अपने कृषि कार्यों में विविधता ला सकते हैं और डेयरी, पोल्ट्री, मत्स्य, शहद, मधुमक्खी पालन, के साथ ही साथ महिलाओं को सशक्त बनाने महिला वस्तुओं की आसान पहुंच और फिर सबसे अधिक पारिश्रमिक बाजारों में उन उपजों को

55वीं जीएसटी परिषद बैठक : स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम, एटीएफ, सिन टैक्स पर सबकी निगाहें

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में शनिवार को जैसलमेर में जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक शुरू होने जा रही है, जिसमें स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर प्रस्तावित दर कटौती और एविएशन टर्बाइन फयूल (एटीएफ) को जीएसटी के दायरे में शामिल करने पर चर्चा होगी। जीएसटी परिषद बैठक के दौरान करीब 150 वस्तुओं की दरों में संशोधन पर भी विचार-विमर्श करेगी, जिससे केंद्र को करीब 22,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होने की संभावना है।जीएसटी परिषद के लिए एक महत्वपूर्ण एजेंडा टर्म स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर प्रस्तावित दर कटौती है।जीवन और स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी



छूट/कटौती उद्योग की लंबे समय से लंबित मांग है, क्योंकि इससे बीमाकर्ताओं और पॉलिसीधारकों दोनों पर कर का बोझ कम होगा।बिहार के उपमुख्यमंत्री सुमित्रा चौधरी की अगुवाई में मंत्रियों के समूह (जीओएम) के ज्यादातर पैनल सदस्यों ने स्वास्थ्य और जीवन बीमा पॉलिसी प्रीमियम पर पूरी छूट की वकालत की, जबकि कुछ पैनल सदस्यों ने मौजूदा 18 प्रतिशत से दर को घटाकर 5 प्रतिशत करने का सुझाव

दिया।इसके अलावा, 5 लाख रुपये तक का करेज देने वाली बीमा पॉलिसियों को भी जीएसटी से राहत मिल सकती है।एक अन्य प्रमुख एजेंडा यह तय करना है कि फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म द्वारा डिलीवरी शुल्क पर 5 प्रतिशत जीएसटी 2022 से लागू किया जाएगा या नहीं। वर्तमान में, फूड डिलीवरी कंपनियां डिलीवरी शुल्क पर जीएसटी का भुगतान नहीं करती हैं।इसके अलावा, जीएसटी परिषद द्वारा विमानन टरबाइन ईंधन

को जीएसटी के दायरे में लाने के मुद्दे पर विचार किए जाने की संभावना है।वर्तमान में, एटीएफ पर 11 प्रतिशत का केंद्रीय उत्पाद शुल्क लगाया जाता है। क्षेत्रीय संपर्क योजना के तहत इसमें 2 प्रतिशत की रियायत भी है।इसके अलावा, जीओएम की ओर से हाल ही में तंबाकू और सॉफ्ट ड्रिंक पर सिन टैक्स लगाने का प्रस्ताव है।जानकारों के अनुसार, ऐसी श्रेणी के निर्माण से यह कड़ा संदेश जाएगा कि भारत अस्वस्थ आदतों पर आधारित उद्योगों के मुनाफे पर अपने लोगों की भलाई को प्राथमिकता देता है। इसके अतिरिक्त, सिन गुड्स को टारगेट करते हुए 35 प्रतिशत का नया स्लैब पेश किए जाने की संभावना है।

खेल, मनोरंजन

रियल कबड्डी लीग करेगा दुबई में ऐतिहासिक प्रदर्शनी मैच का आयोजन

मुंबई। यह प्रदर्शनी मैच कबड्डी के लिए एक महत्वपूर्ण माईलस्टोन है क्योंकि इससे कबड्डी को अंतरराष्ट्रीय मंच पर और बढ़ावा मिलेगा। युवा, ग्रामीण प्रतिभाओं को वैश्विक दर्शकों के सामने पेश करके आरकेएल दुनिया भर में इस खेल को लेकर उत्साह पैदा करने की कोशिश करेगा। रियल कबड्डी लीग (आरकेएल) 15 दिसंबर को अपने पहले अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी मैच का आयोजन करेगा। मैच में देश के के कई राज्यों के प्रतिभाशाली खिलाड़ी शामिल होंगे। 15 दिसंबर को दुबई के अल अहली स्पोर्ट्स क्लब में मैच का आयोजन होगा जिसमें दो टीमों, इंडियन वॉरियर्स और गल्फ ग्लेडिएटर्स हिस्सा लेंगी। मैच का आयोजन दुबई स्पोर्ट्स कार्ड्सिल की मदद से किया जाएगा। आरकेएल के को-फाउंडर लविश चौधरी ने अपने उत्साह को



साझा करते हुए कहा कि आरकेएल का मकसद युवा, ग्रामीण क्षेत्रों की उभरती प्रतिभाओं को बढ़ावा देने और एक मंच मुहैया कराना है। आरकेएल के फाउंडर शुभम चौधरी ने कहा, -इस प्रदर्शनी मैच से हमें खाड़ी देशों में कबड्डी खेल को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी और मुझे विश्वास है कि लोग इस खेल को पसंद करेंगे। यह प्रदर्शनी मैच कबड्डी के लिए एक महत्वपूर्ण माईलस्टोन है क्योंकि इससे कबड्डी को अंतरराष्ट्रीय मंच पर और बढ़ावा मिलेगा। युवा, ग्रामीण

प्रतिभाओं को वैश्विक दर्शकों के सामने पेश करके आरकेएल दुनिया भर में इस खेल को लेकर उत्साह पैदा करने की कोशिश करेगा। रियल कबड्डी लीग (आरकेएल) भारत के अपने खेल कबड्डी को बढ़ावा देने वाला एक मंच है। अपनी स्थापना के बाद से, आरकेएल ने इस खेल को ग्रामीण परिदृश्य से वैश्विक खेल पटल पर स्थापित करने के लिए काम किया है। भारत में अब तक इसके तीन सफल सीजन आयोजित किए जा चुके हैं।



■ न्यूज गैलरी

पलाश रेसीडेंसी के सामने से 45 शेड हटाए : भोपाल के टीटी नगर में कार्रवाई



सड़क पर कीचड़ करने वालों पर जुर्माना

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के टीटी नगर इलाके में शनिवार को जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। एमपी टूरिज्म के होटल पलाश रेसीडेंसी के सामने से करीब 45 शेड हटाए गए। यहां पर टू व्हीलर-फोर व्हीलर्स के गैरेज है। दुकानदारों ने सड़क तक कब्जा जमा लिया। जिससे जाम की स्थिति बनती थी। एसडीएम अर्चना रावत ने बताया कि कई बार तो एम्बुलेंस तक फंस जाती थी। इसलिए यह कार्रवाई की गई। एसडीएम रावत ने बताया, पलाश रेसीडेंसी के पास ही 3 से 4 सरकारी क्वार्टर में पानी और बिजली की सप्लाई बंद करने की कार्रवाई भी कर रहे हैं। इनमें अवैध तरीके से कब्जा है। संपदा विभाग को भी लेटर लिखेंगे। ताकि, कब्जा हट सके। कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों ने आपत्ति ली, लेकिन अफसरों की सख्ती के आगे उनकी एक न चली। एसडीएम रावत के अलावा एमआईसी मंबर जगदीश यादव भी मौजूद रहे।

मेले में जाने के लिए रास्ता भी नहीं मिलता

एसडीएम रावत ने बताया कि टीटी नगर ग्राउंड पर ही भोपाल उत्सव मेला लग रहा है। जहां हजारों लोग पहुंच रहे हैं, लेकिन सड़क पर शेड बनने और अतिक्रमण होने की वजह से उन्हें आने-जाने में परेशानी होती है। कई बार तो एम्बुलेंस भी फंस चुकी हैं। इसलिए निगम और पुलिस की मदद से कार्रवाई की गई। व्हीकल वॉशिंग सेंटर पर भी जुर्माना किया गया है। यहां का पानी सड़क पर भर जाता है। जिससे कीचड़ हो रहा है।

गाड़ियां भी हटवाई, जुर्माना किया

कार्रवाई के दौरान गैरेज की उन गाड़ियों को हटया गया, जो सड़क पर ही खड़ी होकर ट्रैफिक को जाम कर रही थी। वहीं, गैरेज संचालकों पर जुर्माना भी किया गया।

मध्यप्रदेश ड्रोन नीति पर एक्सपर्ट पैनल वर्कशॉप 23 दिसम्बर को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ड्रोन केंद्रित सूचना पोर्टल लॉन्च करेंगे

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में मध्य प्रदेश की नई ड्रोन नीति पर एक दिवसीय एक्सपर्ट पैनल वर्कशॉप 23 दिसम्बर को कुशाभाऊ ठकुरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर भोपाल में होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा ड्रोन केंद्रित सूचना पोर्टल (drone.mp.gov.in) भी लॉन्च किया जाएगा। इस दौरान प्रशासन और नागरिक सेवाओं के लिए ड्रोन तकनीक के बढ़ते उपयोग और राज्य को देश का ड्रोन हब बनाने पर विचार विमर्श होगा। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन कार्यशाला को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार लोक कल्याणकारी सेवाओं, नवाचार, उत्कृष्टता और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए ड्रोन टेक्नोलॉजी का उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ड्रोन सेक्टर के मिशन से प्रेरित होकर हमने ड्रोन क्षेत्र के लिए आगे बढ़ने का संकल्प लिया है।

मध्य प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला में सर्वे ऑफ इंडिया (एसओआई), डीजीसीए (नागरिक उड्डयन महानिदेशालय), केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी, नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधिकारी, आईआईटी इंदौर, पुलिस, स्टार्टअप, ड्रोन फेडरेशन ऑफ इंडिया, नाबार्ड और मध्य प्रदेश सरकार के सभी विभागों के प्रमुख सहित ड्रोन इंडस्ट्री के प्रमुख आईडियाफोर्ज, एसटेरिया एयरोस्पेस, ड्रोन फेडरेशन आदि के प्रमुख उपस्थित रहेंगे।

हरदा में सड़क किनारे मिला युवक का शव : पास में मिली बाइक परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, पुलिस की जांच जारी

हरदा/नवप्रदेश। हरदा जिले के ग्राम मकड़ाई में शनिवार सुबह एक युवक का शव सड़क किनारे पड़ा मिला है। सूचना के बाद सिराली पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मृतक की पहचान शाहबाज खान (28) निवासी मकड़ाई के रूप में हुई है। सिराली थाना प्रभारी निकिता विल्सन ने बताया कि मकड़ाई रोड दुर्गालिया के पास शहवाज नामक युवक का शव और बाइक मिली है। प्रथम दृष्टया तो युवक की मौत सड़क हादसे में होना लग रहा है। युवक की हत्या हुई है या दुर्घटना है, ये पीएम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होगा। वहीं युवक के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। वह मिस्त्री का काम करता था, उसके दो बच्चे भी है।

युवा उद्यमियों को प्रोत्साहन देने मध्यप्रदेश ने किया अनुकूल वातावरण का निर्माण : सीएम यादव

मुख्यमंत्री उज्जैन में रंग एंटरप्रेन्योर समिट-2024 में हुए सम्मिलित

हमारे युवा उद्यमियों के परिश्रम से विश्व पटल पर भारत ने बनाई अलग पहचान

सरकार ने लगातार निवेश और स्टार्ट-अप को प्रोत्साहन देने का कार्य किया

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि युवा उद्यमियों को भारत, युवा उद्यमियों के परिश्रम से विश्व पटल पर एक अलग पहचान बना रहा है। विश्व में हमारे देश में सबसे अधिक युवा शक्ति है। युवाओं के हाथों में आने वाले समय की बागडोर है। हमारे देश के युवाओं के भविष्य की तरफ बढ़ते हुए कदम देश को विकास के पथ पर तेज गति से आगे ले जा रहा है। स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए सरकार के द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। निवेश और स्टार्ट-अप को सरकार के द्वारा लगातार प्रोत्साहन देकर मदद की जा रही है। हम विश्व की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था है तथा तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को उज्जैन में रंग एंटरप्रेन्योर समिट-2024 में युवा उद्यमियों को संबोधित कर रहे थे।



मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवाओं के पैरों में गति, हाथों में शक्ति है और भविष्य देने के लिए सरकार निरंतर काम कर रही है। हमारा भारत युवा शक्ति के अधिक्य के साथ विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। उन्होंने कहा कि उच्चयिनी नगरी सर्वगुण सम्पन्न है। उज्जैन की देश में पहचान बनी है। निवेश को

संसाहित करने के लिए छोटे-छोटे स्थानों पर भी समिट के कार्य किए जा रहे हैं। उद्यमियों को अपने व्यवसाय में वृद्धि के लिए सरकार हरसंभव मदद करेगी। उन्होंने कहा कि उद्यमी देश-प्रदेश में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न उद्यमियों के द्वारा लगाए गए स्टॉल का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवाओं के पैरों में गति, हाथों में शक्ति है और भविष्य देने के लिए सरकार निरंतर काम कर रही है। हमारा भारत युवा शक्ति के अधिक्य के साथ विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। उन्होंने कहा कि उच्चयिनी नगरी सर्वगुण सम्पन्न है। उज्जैन की देश में पहचान बनी है। निवेश को

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवा उद्यमी सम्मेलन के आयोजकों, प्रतिभागियों के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आज का कार्यक्रम। उद्यमियों के बीच नवाचार, महत्वाकांक्षा और विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण साबित होगा। यह सम्मेलन आत्म-निर्भरता की भावना को दर्शाता है और एक समृद्ध एवं प्रगतिशील मध्यप्रदेश के दृष्टिकोण को पूरा करने की दिशा में सहायक होगा। उद्यमिता आर्थिक विकास की नींव है और युवा प्रतिभाओं को पोषित करना, परिवर्तन और नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक है। इस तरह के आयोजनों से हम अगली पीढ़ी को बड़ा सोचने, साहसी कदम उठाने और राज्य और राष्ट्र के समग्र विकास में योगदान करने के लिए सशक्त बनाते हैं। इस अवसर पर उज्जैन के प्रभारी मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम डेटवाल,

विधायक श्री सतीष मालवीय, महापौर श्री मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, श्री विवेक जोशी, श्री बहादुर सिंह बोरमुण्डला, श्री सत्यनारायण खोईवाल, प्रमुख सचिव श्री राघवेंद्र सिंह, श्री चन्द्रमौली शुक्ला, उद्योगपति आदि उपस्थित थे।

गुजरात के शेरों से गूंजेगा भोपाल का वन-विहार

आदान-प्रदान योजना में जूनागढ़ से सिंहों का जोड़ा आया वन विहार

वन विहार में अब 2 नर एवं 3 मादा लॉयन

भोपाल/नवप्रदेश। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में 21 दिसंबर को सकरबाग जू-जूनागढ़, गुजरात से लॉयन का जोड़ा (नर एवं मादा) लगभग 1000 किलोमीटर की यात्रा तय कर सकुशल पहुंचा है। नर लॉयन एव मादा लॉयन दोनों की उम्र लगभग 3 वर्ष है। वन विहार में दोनों लॉयन



की देखभाल एवं परीक्षण के लिए क्रेन्टाईन में रखा गया है। वर्तमान में सत्या. गंगा एवं नदी सहित वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में 2 नर एवं 3 मादा लॉयन हो गये हैं। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान को यह सौगत शासन एवं

विभाग स्तर पर विशेष प्रयासों से प्राप्त हुई है। लॉयन जोड़े के बदले वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल से नर बाघ (बाँधगढ़-2) एवं मादा बाघ (बैंधनी) को दिया गया है। दोनों की उम्र लगभग 06 वर्ष है। उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, नई दिल्ली से प्राप्त अनुमति अनुसार आदान-प्रदान योजना अंतर्गत 17 दिसम्बर 2024 को 9 सदस्यीय दल वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल से नर बाघ एवं मादा बाघ को लेकर सकरबाग जू-जूनागढ़, गुजरात के लिए रवाना हुआ एवं 21

दिसम्बर 2024 को सकरबाग जू-जूनागढ़, भोपाल से लॉयन जोड़े को लेकर वन विहार आया। नौ सदस्यीय दल में वन विहार के इकाई प्रभारी पर्यटन एव सहायक वन्य प्राणी चिकित्सक भी शामिल है। इस अवसर पर वन विहार संचालक, सहायक संचालक, वरिष्ठ वन्यप्राणी स्वास्थ्य अधिकारी और अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। लॉयन के इस जोड़े के वन विहार आगमन से वन विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों में प्रसन्नता का माहौल है।

खाते किराये पर देने वाला युवक पकड़ाया: अवैध रकम आने पर मिलता था 15 हजार रुपए कमीशन

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल की कोलार पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लिया है। उस पर साबर ठाणों को खाता बेचने का आरोप है। उसके खाते में आने वाली अवैध रकम से उसे कमीशन दिया जाता था। उसके खाते से लगातार बड़ा लेनदेन हो रहा था। बैंक की सूचना पर पुलिस ने पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया है।



द्वंजेशन हो रहे हैं। यह खाता राहुल श्रीवास्तव ने करीब 3 महीने पहले ही खुलवाया था। पुलिस ने जानकारी

जुटाई तो पता चला राहुल प्राइवेट जॉब करता है। पछताछ में राहुल ने बताया कि पैसे की जरूरत होने पर उसने

खाता 15 हजार रुपए में बैतूल के एक व्यक्ति को किराए पर देना बताया था। खाते से होने वाले हर ट्रंजेक्शन पर उसे कमिशन मिलता था। फिलहाल खाताधारक पर एफआईआर नहीं की गई है। कुछ दिन पहले ही अयोध्या नगर में ठग गैंग का गुर्गा पकड़ा था। जो 5-5 हजार रुपए का लालच देकर मजदूर और जरूरतमंद लोगों के खाते खुलवाकर ठाणों को बेच रहा था। अभी उसका साथी पुलिस की पकड़ में नहीं आया है। पुलिस को उसकी तलाश है। पुलिस राहुल और इस गैंग के संपर्क भी खंगाल रही है।

राष्ट्रीय बाल रंग के आयोजन से मध्यप्रदेश देशभर में होता है गौरवान्वित 22 राज्यों की लोक संस्कृति पर केन्द्रित हुए नृत्य

भोपाल/नवप्रदेश। राष्ट्रीय बाल रंग के दूसरे दिन 21 दिसम्बर को राष्ट्रीय मानव संग्रहालय श्यामला हिल्स में 22 राज्यों की लोक संस्कृति पर केन्द्रित नृत्यों की शानदार प्रस्तुतियां देशभर के बच्चों ने दी। इन प्रस्तुतियों में एक भारत-श्रेष्ठ भारत की झलक देखने को मिली। बाल रंग में विभिन्न राज्यों के 10 हजार बच्चे अनेक रचनात्मक गतिविधियों में सहभागिता कर रहे हैं।

लोक नृत्य बच्चों को एक-दूसरे से जुड़ने का बेहतर माध्यम

बाल रंग के दूसरे दिन सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. संजय गोयल बच्चों के बीच पहुंचे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय बालरंग कार्यक्रम मध्यप्रदेश का



महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में बच्चों के पढ़ाई के साथ विभिन्न गतिविधियों से सक्रिय रूप से जोड़ने की अनुशंसा

की गई है। बाल रंग में शामिल बच्चे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर दूसरे बच्चों के लिये प्रेरणा स्रोत बनेंगे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय मानव

संग्रहालय की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान है। बच्चों को संग्रहालय का भ्रमण भी करवाया जाये। सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. गोयल ने इस मौके

पर प्रकाशित बाल पत्रिका का विमोचन भी किया। कार्यक्रम की शुरुआत में पंजाब के बच्चों ने लोक संस्कृति पर केन्द्रित नृत्य की प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति में पंजाब की विरासत का बखान था। मध्यप्रदेश के बच्चों ने महाकौशल अंचल के लांगूरिया लोक नृत्य की प्रस्तुति दी। इसमें ईश्वर की आराधना आस्था के साथ त्रस्य तरह से होती है। उसको आकर्षक तरीके से प्रस्तुत किया गया था। कार्यक्रम में मानव संग्रहालय के निदेशक प्रो. अमिताभ पांडे और विभागीय अधिकारी भी मौजूद थे। बाल रंग में लगाई गई प्रदर्शनी में राजस्थान के स्टॉल में हवा महल, जन्तर-मन्तर, राज्य के परंपरागत वेश-भूषा और वर्ष 2047 में

विकसित राजस्थान की कल्पना को मॉडल के जरिये दर्शाया गया। गोवा राज्य के स्टॉल में वहां की संस्कृति, लौहार, मछली पालन व्यवसाय और पर्यटन के क्षेत्र में लगातार हो रहे विकास को दर्शाया गया था। इन स्टॉलों में भोपाल के स्कूलों के बच्चों ने मेहनत से मॉडल तैयार किये हैं। बाल रंग में बच्चों को देश और दुनिया में विज्ञान के क्षेत्र में हो रही प्रगति से प्रदर्शनी के माध्यम से अवगत कराया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में बच्चों ने अपने राज्यों की पट्टिका को लेकर मार्च पास्ट भी किया। बाल रंग के अंतिम दिन 22 दिसम्बर रविवार को प्रातः 10 बजे से गतिविधियों शुरू होंगी और बच्चों को पुरस्कार वितरित किये जायेंगे।